आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, शनिवार 14 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 94

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

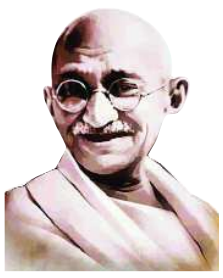

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

जमीन से 125 फीट नीचे बनेगा छोटा गणपति स्टेशन

पेज-2

'रागिनी 3' में तमन्ना और जुनैद की जोड़ी

पेज-5

150 करोड़ की लागत से बनेगा नया शास्त्री ब्रिज

पेज-6

न्यूज ब्रीफ

- उज्जैन के मंगलनाथ मंदिर में बड़ा हादसा होते-होते बचा, मुख्य द्वार पर लगे पत्थर-फर्शियां गिरे
- जेलेंस्की ने म्यूनिख में निर्वासित ईरानी क्राउन प्रिंस रजा पहलवी से मुलाकात की
- बिहार सरकार ने तय किए 11 ग्रामीण एसपी के क्षेत्राधिकार, गृह विभाग ने जारी की अधिसूचना
- पीएम मोदी असम के डिब्रूगढ़ में कई परियोजनाओं को करेंगे शिलान्यास
- तेलंगाना : डोथिगुडेम के ब्रुंडवन लैबोरेटरीज पीवीटी में रेडिएटर ब्लास्ट के बाद हुआ बड़ा धमाका
- अमेरिका : नॉर्थ कैरोलिना में फोर्ट ब्रैग का दौरा करने के बाद राष्ट्रपति ट्रंप फ्लोरिडा पहुंचे

भारत-पाकिस्तान मैच पर बारिश का खतरा

कोलंबो में 93% वर्षा की संभावना से फैंस निराश

नई दिल्ली (एजेंसी) ● आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में 15 फरवरी को भारत और पाकिस्तान के बीच कोलंबो में होने वाले महामुकाबले पर बारिश का संकट मंडरा रहा है। मौसम विभाग ने मैच वाले दिन 93 प्रतिशत बारिश की भविष्यवाणी की है, जिससे मैच में देरी या ओवरों में कटौती हो सकती है। यह मैच ग्रुप ए में शीर्ष स्थान के लिए भी अहम है।

क्रिकेट जगत की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता, भारत बनाम पाकिस्तान, पर एक बार फिर मौसम की मार पड़ने का खतरा मंडरा रहा है। 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के तहत होने वाले इस

हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले आई एक बड़ी मौसम अपडेट ने दोनों टीमों और करोड़ों प्रशंसकों की चिंता बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मैच के दिन कोलंबो में बारिश होने की संभावना 93 प्रतिशत तक है। यह अनुमान क्रिकेट प्रेमियों के लिए किसी झटके से कम नहीं है, जो इस ब्लॉकबस्टर मुकाबले का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। श्रीलंका के मौसम विभाग ने इस खराब मौसम के पीछे की वजह भी बताई है। विभाग के मुताबिक, 15 फरवरी के आसपास दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र (लो-प्रेशर एरिया) बनने की आशंका है। इसका सीधा असर कोलंबो और आसपास के इलाकों के मौसम पर पड़ सकता है। पूर्वानुमान के मुताबिक, मैच शुरू होने से ठीक पहले गरज के साथ तेज बारिश हो सकती है। इस स्थिति में टॉस में देरी होना या मैच के ओवरों में कटौती किया जाना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि, दिन में बीच-बीच में धूप निकलने की भी उम्मीद जताई गई है, लेकिन रुक-रुक कर होने वाली बारिश खेल का मजा किरकिरा कर सकती है और टीमों की रणनीतियों को पूरी तरह से प्रभावित कर सकती है। इस बीच, भारतीय टीम के लिए एक अच्छी खबर भी है। युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, जो पेट की समस्या के कारण अभ्यास सत्र से दूर थे, अब फिट नजर आ रहे हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए उपलब्ध रहेंगे। पिछली बार दोनों टीमें 2025 एशिया कप के फाइनल में भिड़ी थीं, जहां भारत ने पांच विकेट से जीत हासिल की थी। अब सभी की निगाहें कोलंबो के आसमान पर टिकी हैं कि क्या मौसम इस महामुकाबले को होने देगा।

ग्रुप ए में टॉप पर पहुंचने की जंग

यह मुकाबला सिर्फ दो पारंपरिक प्रतिद्वंद्वियों के बीच की भिड़ंत नहीं है, बल्कि ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करने की लड़ाई भी है। भारतीय टीम ने अपने पिछले मैच में नामीबिया को 93 रनों से हराकर अपनी शानदार फॉर्म का प्रदर्शन किया था। उस मैच में ईशान किशन की 61 रनों की विस्फोटक पारी की मदद से भारत ने पावरप्ले में 86 रन बनाए थे, जो इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर है। वहीं, पाकिस्तान की टीम भी जीत की लय में है और नेट रन रेट के आधार पर भारत से बस थोड़ा ही पीछे है। ऐसे में यह मैच यह तय करेगा कि ग्रुप ए का बादशाह कौन बनेगा।

सदन के भीतर विधायकों को साधने और फ्लोर मैनेजमेंट की कवायद

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मप्र 16 फरवरी से विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने जा रहा है। इस बीच मप्र सरकार एक महत्वपूर्ण राजनीतिक नियुक्ति की तैयारी में जुटी है। दरअसल, विधानसभा में मुख्य सचेतक का पद भरने जा रही है, जो सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन और दलीय अनुशासन के लिए काफी अहम माना जाता है। इस पद पर नियुक्ति के साथ ही कैबिनेट मंत्री का दर्जा भी दिया जाएगा, जिसके चलते यह नियुक्ति और भी अहम हो गई है। गौरतलब है कि अभी संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ही विधानसभा में मुख्य सचेतक की भूमिका भी निभाते आए हैं, लेकिन नए मुख्य सचेतक की नियुक्ति होने से उनका भार भी कम कर दिया जाएगा। उक्त पद के लिए भाजपा के वरिष्ठ और अनुभवी विधायकों के नाम पर विचार किया जा रहा है।

दरअसल, बजट सत्र में भाजपा विधायक अपनी ही सरकार को कठघरे में न खड़ा करें या असहज स्थिति पैदा न करें, इसके लिए पार्टी मुख्य सचेतक की नियुक्ति करने की तैयारी कर रही है। दरअसल, पिछले सत्रों में सदन के भीतर फ्लोर मैनेजमेंट में भाजपा विधायक दल को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। अब तक मुख्य सचेतक जैसी जिम्मेदारी संसदीय कार्य मंत्री के रूप में कैलाश विजयवर्गीय निभा रहे थे, लेकिन इंदौर के भागीरथपुरा दूषित पेयजल से कई लोगों की मौत के बाद एक बयान से विवाद के चलते उन्होंने सरकारी कामकाज से दूरी बनाई हुई है। इसी वजह से भाजपा संगठन चिंतित है कि आगामी बजट सत्र व अन्य सत्रों के दौरान कोई असहज करने वाली स्थिति न बने। विधानसभा में अपनी ही सरकार को घेरने वाले भाजपा विधायकों ने सरकार को कई बार संकट में डाला है। बजट सत्र में ऐसी कोई परिस्थिति न बने, इसके लिए इन विधायकों से पहले ही मिलकर संबंधित विभाग के मंत्री उनके प्रश्नों का संतोषजनक जवाब देंगे ताकि वे सदन में सरकार को घेरने वाले प्रश्न न कर सकें। इतना ही नहीं भाजपा विधायकों को यह भी बताया जाएगा कि विधानसभा सत्र के दौरान सदन में कौन से सवाल उठाने हैं और कौन से नहीं। दरअसल, पिछले वर्ष विधानसभा सत्र के दौरान आलोट से भाजपा विधायक डा. चिंतामणि मालवीय ने आरोप लगाए थे कि उज्जैन में सिंहस्थ की जमीन पर कालोनाइजरों की नजर है। सदन में इस पर हंगामा हुआ। विपक्ष के कई सदस्यों ने भाजपा विधायक की बातों का समर्थन कर दिया था। इसके अलावा जल जीवन मिशन में घोटाले पर भी विपक्ष के साथ भाजपा विधायकों ने भी सदन में सवाल किए थे, जिससे सरकार की किरकिरी हुई थी।

सीएम और प्रदेशाध्यक्ष लेंगे फैसला

अभी सदन के भीतर फ्लोर मैनेजमेंट की पूरी जिम्मेदारी संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के कंधों पर है। अब मुख्य सचेतक की नियुक्ति करके उनके कार्यभार को बांटा जाएगा, जिससे सरकार सदन में और अधिक मजबूती के साथ अपना पक्ष रख सकेगी। इस नियुक्ति पर अंतिम मुहर मुख्यमंत्री और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच विचार-विमर्श के बाद ही लगेगी। विधानसभा या संसद में मुख्य सचेतक का पद केवल एक औपचारिक नियुक्ति नहीं है। यह किसी भी राजनीतिक दल का वह प्रमुख पदाधिकारी होता है, जो सदन के भीतर पार्टी के सभी सदस्यों को बांधकर रखता है। इसकी भूमिका पार्टी नेतृत्व और विधायकों के बीच एक पुल की तरह होती है।

मनीष सिंह का जनसंपर्क आयुक्त बनना

नियुक्ति नहीं, बल्कि भरोसे की दोबारा पुष्टि है

अपनी बात
आशीष गुप्ता

प्रशासनिक गलियारों में एक बार फिर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी मनीष सिंह को पुन: मध्यप्रदेश का जनसंपर्क आयुक्त नियुक्त किया गया है। यह फैसला न केवल प्रशासनिक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है, बल्कि इसे उनकी कार्यकुशलता और भरोसेमंद छवि की वापसी के रूप में भी देखा जा रहा है। सरकारी सूत्रों के अनुसार प्रदेश सरकार ने सूचना तंत्र को और अधिक प्रभावी, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी बनाने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी फिर से मनीष सिंह को सौंपी है। माना जा रहा है कि पूर्व कार्यकाल में जनसंपर्क विभाग में उन्होंने मीडिया समन्वय, डिजिटल कम्युनिकेशन और जमीनी स्तर पर संवाद की जो मजबूत संरचना खड़ी की थी, उसी अनुभव को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया।

'परफॉर्मेंस' बनी वापसी की वजह : *मनीष सिंह का प्रशासनिक ट्रैक रिकॉर्ड मजबूत रहा है। वे पहले भी प्रदेश के कई महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। जनसंपर्क आयुक्त रहते हुए उन्होंने सरकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार को नई दिशा दी थी। सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग से विभाग की पहुंच आम जनता तक बढ़ी थी। राजनीतिक और प्रशासनिक विश्लेषकों का मानना है कि मुख्यधारा में उनकी पुनर्वापसी इस बात का संकेत है कि सरकार अनुभवी और परिणाम देने वाले अधिकारियों पर भरोसा जता रही है।*

जनसंपर्क आयुक्त मनीष सिंह ने आज सुबह मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री मोहन यादव से सौजन्य भेंट की।

सरकार के इस निर्णय को प्रशासनिक स्थिरता और भरोसे के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि आगामी समय में जनसंपर्क विभाग की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण होने वाली है, ऐसे में अनुभवी नेतृत्व की जरूरत थी। गौरतलब है कि शिवराजसिंह के कार्यकाल में जिस तरह से मनीष सिंह की तूती बोलती थी, उसके चलते कई वरिष्ठ अधिकारी उनसे नाराज बताए जाते थे। यही कारण था कि जैसे ही डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री बने वैसे ही मनीष सिंह को लूप लाइन में डाल दिया। हालांकि पिछले एक साल से वे जरूर कुछ प्रभावशाली पदों पर पदस्थ जरूर हो गए थे, लेकिन कल रात के फेरबदल के बाद ऐसा लगता है कि मनीष सिंह की काबीलियत और उनकी क्षमता पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन का पूरा भरोसा स्थापित हो गया। प्रदेश के प्रशासनिक हलकों में चर्चा है कि मनीष सिंह की कार्यशैली तेज, निर्णायक और परिणाम केंद्रित मानी जाती है। यही वजह है कि उन्हें दोबारा यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है।

एलिवेटेड ब्रिज वाले 6 किलोमीटर हिस्से को छोड़ा

4.5 किमी क्षेत्र में होगा निर्माण, बीआरटीएस की रैलिंग हटाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम ने बीआरटीएस कॉरिडोर पर सेंट्रल डिवाइडर निर्माण का कार्य शुरू कर दिया है। एक टेंडर निरस्त किए जाने के बाद शेष दो टेंडरों के तहत गुरुवार से खुदाई का काम प्रारंभ किया गया। शुरुआत में चंद्रनगर चौराहे से विजयनगर की ओर भमोरी चौराहे तक बीआरटीएस पर सेंट्रल डिवाइडर निर्माण के लिए खुदाई का काम किया जा रहा है। यहां लगभग तीन फीट चौड़ा और चार फीट ऊंचा सेंट्रल डिवाइडर बनाया जाएगा। फिलहाल करीब 600 मीटर के हिस्से में निर्माण कार्य शुरू किया गया है।

एलिवेटेड ब्रिज के कारण योजना में बदलाव नगर निगम जनकार्य विभाग के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया कि 11 किमी लंबे बीआरटीएस कॉरिडोर पर हाई कोर्ट के निर्देश के बाद जालियां हटाने का कार्य एक साइट पर पूरा किया गया था। यातायात जाम की समस्या को

फाइल फोटो

देखते हुए सेंट्रल डिवाइडर बनाने की योजना तैयार की गई थी। इसी बीच चंद्रनगर चौराहे से नौलखा चौराहे तक करीब 6 किमी लंबा एलिवेटेड ब्रिज बनाने की योजना सामने आने पर संबंधित हिस्से के डिवाइडर निर्माण का टेंडर निरस्त कर दिया गया। अब एलिवेटेड ब्रिज और फ्लाईओवर के हिस्से को छोड़कर शेष करीब 4.5 किमी क्षेत्र में डिवाइडर बनाए जाएंगे।

जाम से मिलेगी राहत- वर्तमान में सेंट्रल डिवाइडर नहीं होने के कारण शाम के समय सिग्नल पर बड़ी संख्या में वाहन जमा हो जाते हैं, जिससे जाम की स्थिति बनती है। कई बार वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटना की आशंका भी बढ़ा देते हैं।

भारी-भरकम बंडलों से ई-फाइलों तक

मध्यप्रदेश का पहला पर्यावरण-अनुकूल बजट 18 को पेश होगा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश सरकार 18 फरवरी को राज्य विधानसभा में अपना पहला पेपरलेस बजट पेश करेगी। इस वर्ष से बजट पुस्तिकाओं के भारी-भरकम बंडल नहीं होंगे; केवल वित्त मंत्री का बजट भाषण और बजट हैंडआउट सीमित संख्या में मुद्रित किए जाएंगे। यह राज्य में ई-ऑफिस प्रणाली और ई-कैबिनेट के कार्यान्वयन के बाद किया जा रहा है।

कृषि क्षेत्र पर विशेष ध्यान : सरकार ने 2026 को कृषि वर्ष घोषित किया है, इसलिए इस वर्ष कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सिंहस्थ 2028 के बजट में एक बड़ी राशि आवंटित किए जाने की उम्मीद है। सरकार कुछ विभागों में अपनी मौजूदा कल्याणकारी योजनाओं का दायरा बढ़ा सकती है।

गैर-बजटीय प्रावधानों की शुरुआत : राज्य में विकास परियोजनाओं और विभिन्न अवसरों पर की गई घोषणाओं को जारी रखने के लिए निधि प्रबंधन हेतु, सरकार अगले वर्ष से गैर-बजटीय प्रावधानों को अपनाएगी। ये प्रावधान सीधे तौर पर राज्य के बजट से संबंधित नहीं हैं, लेकिन आने वाले वर्षों में राज्य की वित्तीय गतिविधियों को दिशा प्रदान करेंगे। इन गैर-बजटीय प्रावधानों के अंतर्गत सरकारी परियोजनाओं का वित्तपोषण राज्य के स्वामित्व वाले उद्यमों, बोर्डों और निगमों की निधियों से किया जाएगा; इन्हें वार्षिक राज्य बजट में शामिल नहीं किया जाएगा।

बजट का आकार और हस्तांतरण पर प्रभाव : राज्य बजट का आकार पिछले वर्ष के बजट से अधिक होगा, लेकिन केंद्रीय करों में राज्य के हिस्से में कमी (हस्तांतरण) के कारण इस वर्ष की वृद्धि सरकार द्वारा शुरू में नियोजित राशि से कम रहेगी। मध्य प्रदेश सरकार ने पहले घोषणा की थी कि राज्य का बजट 2028 तक 7.28 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो जाएगा, जिसका लक्ष्य 2024 से 2028 के बीच लगातार वृद्धि करना था। वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य का बजट 4.21 लाख करोड़ रुपये था; 2026-27 के लिए इसके लगभग 4.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद थी।

केंद्रीय कर हिस्सेदारी में कमी

अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय करों में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी में कमी से राज्य के बजट का आकार कम से कम 8,000 करोड़ रुपये घट जाएगा : मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 2025-26 तक 7.850% थी, लेकिन अब घटकर 7.347% हो गई है। वित्त विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वार्षिक हस्तांतरण में लगभग 0.5% की इस कटौती का मतलब है कि मध्य प्रदेश को अगले पांच वर्षों तक केंद्र से सालाना लगभग 7,500 करोड़ रुपये कम मिलेंगे, जिससे राज्य की वित्तीय स्थिति और भी खराब हो जाएगी।

लारेंस विश्नोई गैंग ने मध्यप्रदेश में पैर पसारे

इंदौर के व्यवसायी से मांगी 5 करोड़ की फिरौती
अशोक नगर व्यापारी को 10 करोड़ के लिए धमकाया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● माफिया लारेंस विश्नोई गैंग अब मध्यप्रदेश में भी पैर पसारने लगा है। हाल ही में पिछले तीन दिनों में प्रदेश के अशोक नगर एवं इंदौर के एक-एक व्यापारी को अत्याधुनिक तरीके से लारेंस गैंग के नाम से जबरिया वसूली के लिए धमकाया गया है। अशोक नगर के व्यापारी से 10 करोड़ एवं इंदौर के व्यापारी से 5 करोड़ की मांग की गई है। पुलिस इन मामलों में जांच कर रही है,अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि लारेंस गैंग ने ही यह धमकी दी है।

देश के पंजाब,राजस्थान सहित कुछ अन्य प्रदेशों में आतंक का पर्याय बना लारेंस विश्नोई गैंग के नाम पर मध्यप्रदेश में भी धमकाकर जबरिया वसूली के मामलों की शुरूआत हो गई है। गुरुवार को इंदौर के किशनगंज क्षेत्र के अस्पताल संचालक को धमकाया गया है। इससे एक दिन पूर्व अशोक नगर के व्यवसायी को धमकाया गया था। इससे पूर्व श्योपुर के रोजगार सहायक को

कथित बिश्नोई गैंग की धमकी मिली थी जिसमें 25 लाख की फिरौती मांगी गई थी।

5 करोड़ के लिए धमकाया- लारेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर इंदौर के किशनगंज क्षेत्र के एक बड़े अस्पताल संचालक को पांच करोड़ रुपये की रंगदारी की धमकी दी गई है। धमकी भरा फोन सीधे अस्पताल संचालक के बेटे को किया गया, जिसके बाद परिवार और अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया। कॉल करने वाले ने खुद को लारेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताया और साफ शब्दों में पांच करोड़ रुपये की मांग की। रकम न देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी भी दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

वैलेंटाइन का उपहार जो देखभाल और सच्ची भावना को दर्शाए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● वैलेंटाइन डे अब सिर्फ बड़े दिखावे या एक दिन के जश्न तक सीमित नहीं रह गया है। आज गिफ्ट देना ज्यादा व्यक्तिगत, सोच-समझकर और रोज़मर्रा की परवाह से जुड़ा गया है। लोग अब सिर्फ अपने जीवनसाथी ही नहीं, बल्कि दोस्तों, परिवार और खुद को भी इस दिन खास महसूस कराना चाहते हैं। ऐसे में लोग ऐसे उपहार पसंद कर रहे हैं जो दिल से जुड़े हों और रोज़मर्रा के काम भी आएं। इसी बदलाव के साथ अब लोग चॉकलेट और फूलों से आगे बढ़कर नए और बेहतर विकल्प चुन रहे हैं। कैलिफोर्निया बादाम एक समझदारी भरा गिफ्ट विकल्प बनकर उभर रहे हैं –जो बेहतरीन स्वाद के साथ रोज़ की सेहत का भी ख्याल रखते हैं। ये आसानी से दैनिक जीवन का हिस्सा बन जाते हैं। कैलिफोर्निया बादाम शामिल करना पोषण और ऊर्जा पाने की एक आसान शुरुआत है।

बेकरी एंड कन्फेक्शनरी सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय इंदौर के गृह विज्ञान विभाग एवं आईक्यूएसी के तत्वावधान में 02 फरवरी से 13 फरवरी 2026 तक 10 दिवसीय बेकरी एंड कन्फेक्शनरी एवं आइसक्रीम मेकिंग सर्टिफिकेट कोर्स का सफल आयोजन किया गया। कोर्स में स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रशिक्षक श्रीमती अमृता शाह एवं विभाग के प्राध्यापकों द्वारा छात्राओं को आइसक्रीम, चॉकलेट, बिस्किट, सिम्पल एवं आइसिंग केक, पैकेजिंग एवं प्राइसिंग का सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। यह प्रशिक्षण छात्राओं के कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण पहल रहा।

डॉ. दीपमाला रावत द्वारा धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की प्रगति की समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जनजातीय प्रकोष्ठ लोक भवन भोपाल की विषय विशेषज्ञ डॉ. दीपमाला रावत द्वारा आज धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अंतर्गत समस्त विभागों की प्रगति पर रेसीडेंसी कोठी, इन्दौर में समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाकर योजनांतर्गत आगामी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को 56 ग्रामों के हितग्राहियों के आधार संशोधन में आ रही कठिनाईयों को प्राथमिकता के आधार पर निदान करने हेतु निर्देश दिए गये।

दो दिवसीय पुष्प प्रदर्शनी 14 एवं 15 फरवरी को

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप जारी वर्ष को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इस वर्ष के दौरान एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना/प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन वर्ष 2025-26 अंतर्गत जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय दो दिवसीय सेमिनार तथा जिला स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन 14 एवं 15 फरवरी को ग्रामीण हाट बाजार ढक्कनवाला कुआं इन्दौर में किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्घाटन 14 फरवरी को होगा।

इको क्लब द्वारा पर्यावरण जागरूकता संबंधी प्रश्नोत्तरी का हुआ आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय किला भवन इंदौर में आज शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. बी. डी. श्रीवास्तव के संरक्षण और प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वी.पी. बैरागी के मार्गदर्शन में इको क्लब द्वारा पर्यावरण जागरूकता प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जमीन से 125 फीट नीचे बनेगा छोटा गणपति स्टेशन, सॉइल टेस्ट के बाद बदला गया डिजाइन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में मेट्रो प्रोजेक्ट का काम तेजी से चल रहा है। इस बीच, प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। शहर के छोटा गणपति क्षेत्र में बनने वाला अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन अब इंदौर का सबसे गहरा स्टेशन होगा। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने सॉइल इन्वेस्टिगेशन (मिट्टी परीक्षण) रिपोर्ट के बाद इसके डिजाइन में अहम बदलाव करने का फैसला किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह स्टेशन अब जमीन की सतह से लगभग 38 मीटर, यानी करीब 125 फीट नीचे बनाया जाएगा। यह गहराई सामान्य अंडरग्राउंड स्टेशनों की तुलना में लगभग दोगुनी है। इस बदलाव का मुख्य कारण जमीन के नीचे की मिट्टी की संरचना है, जिसे देखते हुए इंजीनियरों ने स्टेशन को और अधिक गहराई पर बनाने का निर्णय लिया है।

क्यों पड़ी डिजाइन बदलने की जरूरत?

किसी भी अंडरग्राउंड निर्माण से पहले मिट्टी का परीक्षण एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के अनुसार, छोटा गणपति क्षेत्र में की गई सॉइल इन्वेस्टिगेशन में पाया गया कि निर्धारित गहराई पर मिट्टी की स्थिति स्टेशन के निर्माण के लिए आदर्श नहीं थी। संरचना की सुरक्षा और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन को और नीचे ले जाने का फैसला किया गया, जहां चट्टानी और मजबूत सतह मिल सके।

सामान्य से लगभग दोगुना गहरा-आमतौर पर, देशभर में अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन जमीन से 22 से 25 मीटर (लगभग 60-70 फीट) की गहराई पर बनाए जाते हैं। लेकिन छोटा गणपति स्टेशन अपनी 38 मीटर (125 फीट) की गहराई के साथ एक इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण बनेगा। यह न केवल इंदौर, बल्कि देश के कुछ सबसे गहरे मेट्रो स्टेशनों में से एक होगा।

निर्माण की चुनौतियां और तैयारी

इतनी गहराई पर स्टेशन का निर्माण अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। इसके लिए आधुनिक तकनीक और उच्च स्तरीय इंजीनियरिंग की आवश्यकता होगी। मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों का कहना है कि वे इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं। गहरी खुदाई, मजबूत दीवारों का निर्माण और यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे।

मासूम की ढाल बनी 'लूसी', रास्ता भटके अथर्व को 27 किलोमीटर किया फॉलो

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर से एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने सोशल मीडिया पर लोगों की आंखों में आंसू ला दिए हैं। एक तरफ इंसानों की निष्ठुरता और दूसरी तरफ एक स्ट्रीट डॉग की बेमिसाल वफादारी। 11 साल का अथर्व रास्ता भटक कर घर से 27 किलोमीटर दूर निकल गया, लेकिन अनजान खतरों के बीच उसके साथ साये की तरह खड़ी रही 'लूसी'। वही लूसी, जिसके अपने बच्चों को कुछ दिन पहले इसी मोहल्ले के लोगों ने छीन लिया था।

दरअसल वाक्या दो दिन पहले का है, जब मंगलवार की शाम इंदौर के बंगाली चौराहे से 11 साल का अथर्व अपनी साइकिल लेकर निकला और रास्ता भटक गया। वह पैडल मारते-मारते शहर से 27 किलोमीटर दूर शिप्रा पहुंच गया। घरवाले परेशान थे, पुलिस में ख़ुम्कदर्ज हो चुकी थी। उधर अथर्व को समझ नहीं आया कि वह कहां आ गया और क्या करे? तब उसकी मददगार बनकर सामने आई एक 'डॉगी'! जी हां, बच्चा अथर्व अकेला नहीं था, उसके साथ कैलाशपुरी मंदिर के पास रहने वाली गली की 'लूसी' (फीमेल डॉग) थी, जो उसके पीछे-पीछे 27 किलोमीटर तक दौड़ती रही।

शिप्रा में जब घबराए हुए अथर्व को देखकर लोगों ने पुलिस को सूचना दी, घबराहट में वह अपने पिता का मोबाइल नंबर भी भूल गया। जब मौके पर पुलिस आई और अथर्व को साथ ले जाने का प्रयास किया तो, लूसी ने पुलिसवालों पर गुर्राना शुरू कर दिया। वह किसी को भी अथर्व के पास आने नहीं दे रही थी। वह उसे वैसे ही प्रोटेक्ट कर रही थी, जैसे कोई मां अपने बच्चे को करती है। दरअसल, अथर्व अक्सर मंदिर जाते समय लूसी को खाना खिलाता था, और इसी छोटे से लगाव का कर्ज लूसी ने अपनी जान लड़ा कर चुकाया। बता दें कि इस कहानी का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि, घटना के महज 5-6 दिन पहले ही मोहल्ले के कुछ लोगों ने लूसी के नन्हे बच्चों को जबरन उठाकर कहीं दूर फिंकवा दिया था। खुद लूसी को भी दूर छोड़ आया गया था, लेकिन वह रास्ता खोजकर वापस आ गई थी।

इंदौर से शुरू हुई कई सीधी उड़ानें बाद में बंद हो चुकी

यात्रियों को समर शेड्यूल में इस बार दोहरा झटका लगने जा रहा, वेबसाइट पर दिखाई नहीं दे रही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● एयरपोर्ट से यात्रियों को समर शेड्यूल में इस बार दोहरा झटका लगने जा रहा है। जहां एक ओर नासिक और उदयपुर की मौजूदा सीधी उड़ानें बंद की जा रही हैं, वहीं केवल एक नए शहर के लिए सीधी सेवा शुरू होने की तैयारी है। एयरलाइंस की बुकिंग वेबसाइट्स पर अप्रैल से नासिक और उदयपुर के लिए कोई सीधी फ्लाइट उपलब्ध नहीं दिख रही है।

फिलहाल नासिक के लिए सप्ताह में तीन दिन और उदयपुर के लिए चार दिन उड़ानें संचालित हो रही हैं, लेकिन 27-28 मार्च के बाद इन रूट्स पर बुकिंग बंद हो चुकी है। डीजीसीए द्वारा जारी प्रस्तावित समर शेड्यूल (29 मार्च से लागू) में भी इन शहरों का उल्लेख नहीं है, जिससे इन उड़ानों का बंद होना तय माना जा रहा है। जानकारों का कहना है कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में जोधपुर-उदयपुर जैसे पर्यटन स्थलों की मांग घट जाती है। इसी कारण एयरलाइंस समर सीजन में इन रूट्स पर उड़ानें कम या बंद कर देती हैं और विंटर शेड्यूल में दोबारा

शुरू करती हैं। पिछले कुछ वर्षों में इंदौर से शुरू हुई कई सीधी उड़ानें बाद में बंद हो चुकी हैं।

इंदौर से पहली बार फ्लाई 91 एयरलाइंस जलगांव और हैदराबाद के लिए उड़ानें शुरू करने जा रही है। इसके लिए कंपनी के अधिकारी इंदौर आ रहे हैं। पपरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार ने बताया कि फ्लाई 91 केंद्र सरकार की उड़ान योजना के तहत कई शहरों के बीच सेवाएं संचालित कर रही है। कंपनी ने इंदौर से जलगांव और हैदराबाद के लिए उड़ानों की घोषणा अपनी वेबसाइट पर भी कर दी है। संभावना है कि मार्च मध्य या अप्रैल से समर शेड्यूल में इन उड़ानों का संचालन शुरू हो जाएगा। इंदौर से शुरू हुई कई रूट पहले ही हो चुके बंद: पिछले कुछ वर्षों में इंदौर से शुरू हुई कई सीधी उड़ानें बाद में बंद हो चुकी हैं। इनमें वाराणसी, प्रयागराज, शिर्डी, जोधपुर और राजकोट शामिल हैं।

शहर कांग्रेस का पानी परीक्षण रथ पहुंच विभिन्न क्षेत्रों में लिया पानी का सैंपल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है कि शहर कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे शुद्ध जल परीक्षण अभियान के तहत शहर कांग्रेस का परीक्षण रथ विधानसभा क्षेत्र 4 के विभिन्न क्षेत्रों अर्जुनपुर जमुना नगर जवाहर नगर जोशी मोहल्ला छत्रीबाग छतरीपुरा सहित अन्य क्षेत्रों में पहुंचा और घर-घर पहुंच कर नलों से पानी का सैंपल बोतलों में एकत्रित किया गया इस जल का परीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी, कांग्रेस जनों ने इस का दौरा भी किया क्षेत्रीय रवासियों ने इस दौरान बताया कि नर्मदा जल को लेकर कई समस्याएं बताएं और गंदगी की समस्या भी बताई गई। यादव ने कहा है कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 की गाइडलाइन के हिसाब से नगर निगम द्वारा काम करने के दावे किए जा रहे हैं मगर नगर निगम की तैयारी अभी भी अधूरी है जहां शहर की गली मोहल्ले और कॉलोनी में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है जगह-जगह कचरे के ढेर लगे हुए हैं जगह-जगह मालवा पड़ा रहता है खाली स्थान पर गंदगी व कचरा भरा हुआ है कई क्षेत्रों में गंदगी है ड्रेनेज और नर्मदा की पाइपलाइन डालने के लिए जगह-जगह खोदे गए गड्ढे भर नहीं गए हैं और कचरा अलग जल रहा है फुटपाथ टूटे पड़े हैं जगह-जगह सड़क खुद ही पड़ी है कई जगह गली मोहल्ले में नालों का जो पानी भरने के दौरान बहता है वहां निकासी की व्यवस्था नहीं है गंदगी के साथ ही मच्छरों का प्रकोप हो रहा है। उक्त कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी जी शहर कांग्रेस के अध्यक्ष चिंटू चौकसे जी जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन वानखेडे जी के निर्देश पर चलाए जा रहा है।

तेजी से फैलती गंभीर स्वास्थ्य समस्या है एनीमिया

17 को राज्यपाल करेंगे एनीमिया जागरूकता रथ की विधिवत शुरुआत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एनीमिया आज देश में गर्भवती महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के बीच तेजी से फैलती एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। मानव शरीर में खून की कमी होने पर व्यक्ति को थकान, चक्कर, कमजोरी, ध्यान की कमी और कार्यक्षमता में गिरावट जैसी समस्याएं होने लगती हैं। समय पर पहचान और सही पोषण न मिलने पर यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। इसी उद्देश्य से समाज को जागरूक करने के लिए एनीमिया जागरूकता रथ के माध्यम से एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान शुरु किया जा रहा है। इसकी शुरुआत 17 फरवरी को की जाएगी। इस अवसर पर राज्यपाल मंगु भाई पटेल, मध्य प्रदेश एनीमिया जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर अभियान की विधिवत शुरुआत करेंगे। सांसद शंकर लालवानी, कुलगुरु देवी अहिल्या विश्विद्यालय इंदौर के अलावा डॉ. वैभव चतुर्वेदी, डॉ. कनक चतुर्वेदी, डॉ. अथर्व द्विवेदी व सरोज द्विवेदी, दीपक उपाध्याय, विनय पांडेय रथ यात्रा के संचालन में सहयोग कर रहे हैं।

घर-घर जाकर करेंगे जागरुक-यह अभियान सांसद सेवा प्रकल्प इंदौर व आयुष मेडिकल वेलफेयर फाउंडेशन और एडवांस्ड होम्योपैथिक सोसाइटी की ओर से आयोजित किया जा रहा है। हर वर्ष फरवरी से मार्च माह में संचालित होने वाले इस अभियान के अंतर्गत चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े छात्र-छात्राएं और स्वयंसेवक घर-घर जाकर लोगों को एनीमिया के लक्षण, कारण, बचाव और उपचार संबंधी जानकारी देते हैं। विशेष रूप से लौह तत्व युक्त आहार, हरी सब्जियों, दालों, गुड़, चना और पौष्टिक भोजन के महत्व पर जोर दिया जाएगा, ताकि लोग अपने दैनिक जीवन में सरल बदलाव करके इस बीमारी से बचाव कर सकें। यह जनहितकारी अभियान होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. ए. के. द्विवेदी के मार्गदर्शन व नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है। डॉ. द्विवेदी, होम्योपैथी के माध्यम से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करने और संतुलित उपचार की दिशा में भी लोगों को मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। अभियान का उद्देश्य केवल जानकारी देना ही नहीं, बल्कि लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक और जिम्मेदार बनाना है।

कार्यकर्ताओं ने समर्पण भाव से सहयोग की समिधा चेक के रूप में अर्पित की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राष्ट्रवाद के संकल्प को सशक्त बनाने हेतु आज विधानसभा क्रमांक 2 में आयोजित भाजपा समर्पण निधि अभियान के अंतर्गत लोकप्रिय विधायक रमेश मेंदोला को 1,00,000/- का चेक सौंपकर पार्टी सहयोग निधि में अपना योगदान अर्पित किया। राष्ट्र निर्माण के इस पावन यज्ञ में कार्यकर्ताओं ने समर्पण भाव से सहयोग की समिधा चेक के रूप में अर्पित कर संगठन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। इस अवसर पर नगर महामंत्री सुधीर कोल्हे, उपाध्यक्ष श्रीमती दीप्ति, एमआईसी सदस्य राजेंद्र, चंद्रराव शिंदे वृद्ध समस्त पार्षदगण, मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

विचार | अप्रैल से नवीन शिक्षण सत्र और प्रमोशन पर प्रतिबंध होने के कारण स्कूल शिक्षा विभाग की बढ़ी चिंता

प्राचार्यों के रिक्त पदों पर व्याख्याताओं को उच्च पदनाम देने की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में प्राचार्यों के पांच हजार रिक्त पदों की पूर्ति करने में स्कूल शिक्षा विभाग की चिंता बढ़ गई है। कारण है कि अप्रैल से नया सत्र प्रारंभ हो रहा है, जबकि अध्यापन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए विभाग को स्कूलों में प्रिंसिपल की सख्त जरूरत है। नतीजतन वरिष्ठता के आधार पर व्याख्याताओं को उच्च पद नाम देने पर अफसरों ने विचार किया है।

राज्य में न्यायालयीन निर्णय नहीं होने के कारण प्रमोशन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इस कारण स्कूल शिक्षा विभाग की चिंता है। कारण है कि प्रमोशन की जो उम्मीद थी, वह भी तात्कालिक तौर पर कम ही दिख रही है। क्योंकि जब तक कोर्ट का निर्णय नहीं होगा, तब तक विभाग में पदोन्नतियां संभव नहीं हैं। इधर

अप्रैल से शिक्षा का नवीन सत्र प्रारंभ हो रहा है। जबकि हायर सेकेंडरी स्कूलों में पांच हजार प्राचार्यों के पद रिक्त पड़े हुए हैं। प्राचार्यों की जरूरत इसलिए भी है क्योंकि विद्यालयों का अकादमिक और प्रशासनिक मैनेजमेंट इन्हीं के भरोसे टिका होता है। खासकर स्कूलों के डेव्हलपमेंट एवं अन्य निर्णयों में प्राचार्यों की जरूरत पड़ती है। अभी यह पद वैकल्पिक तौर पर संभाले जा रहे हैं।

काउंसलिंग के बाद 10 हजार को नहीं पदनाम

प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय जिस पदनाम का विकल्प निकाला गया था. शिक्षा विभाग में उस समय दस हजार शिक्षकों की उच्च पदनाम के लिए काउंसलिंग की गई थी। इन्हें आज तक यह लाभ नहीं मिल पाया। काउंसलिंग के बाद विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लग गई थी। तब विभाग ने कहा था कि चुनाव आचार संहिता हटते ही आदेश जारी होंगे, लेकिन शिक्षकों का कहना है कि आज तक आर्डर जारी नहीं हुए। इनमें से कई शिक्षक तो रिटायर्ड हो गये है।

चौदह सौ व्याख्याता प्रमोशन के लिए पात्र: चौदह सौ व्याख्याता ऐसे हैं, जो प्राचार्य पदों पर प्रमोशन की पात्रता रखते हैं। शेष पदों पर व्याख्याता के समकक्ष उच्च माध्यमिक शिक्षक भी पर्याप्त है। अब विभाग का मानना है कि सत्र शुरुआत से ही अध्यापन की बेहतर व्यवस्था हो, इसलिए प्राचार्यों के पदों पर क्यों न व्याख्याताओं और उच्च माध्यमिक शिक्षकों को उच्च पद का प्रभार दिया जाये। इस संबंध में शिक्षक संघों की भी मंत्रालय में विभाग के अधिकारियों से बैठक हुई है। हालांकि अफसरों का कहना है कि अभी इस विषय पर विचार चल रहा है। इसी बीच अगर प्रमोशन के संबंध में कोर्ट का निर्णय आता है तो सीधे पदोन्नतियों से इन पदों की पूर्ति होगी। इस मामले में अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी जाएगी।

नई शिक्षा नीति में किया गया प्रावधान-हर हायर सेकंडरी में प्राचार्य की स्थाई पदस्थापना होना जरूरी है। क्योंकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी यह बिंदु शामिल है। शिक्षा नीति की टास्क फोर्स बैठक में भी यह मुद्दा मप्र शिक्षक संघ उठा चुका है। संघ ने अफसरों को भी यह सुझाव दिया है कि दो साल पूर्व प्रमोशन पर प्रतिबंध होने के कारण विभाग में सीनियरटी के आधार प्रमोशन दिए गए है। नतीजतन वर्तमान में भी नवीन सत्र के दौरान यही रास्ता अपनाया जाना चाहिए। ताकि विद्यालयों में शुरुआती दौर से ही व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा सके।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, शनिवार 14 फरवरी 2026

न्यूज ब्रीफ

समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी सदस्यता मीटिंग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी सदस्यता की मीटिंग जबलपुर में आयोजित की जाएगी इंदौर समाजवादी पार्टी की जिला कार्यकारिणी सदस्यता की मीटिंग जिला अध्यक्ष बटेश्वर नाथ सिंह वह प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव के नेतृत्व में 13 वह 14 फरवरी को जबलपुर में आयोजित की जाएगी मीटिंग में मुख्य रूप से राजेंद्र यादव रामस्वरूप मंत्री रामबाबू अग्रवाल के आर यादव आदि पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

महाशिवरात्रि पर श्री आनंद धाम आश्रम में अद्भुत आध्यात्मिक महोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर उज्जैन रोड स्थित श्री आनंद धाम आश्रम में भक्ति, आस्था और दिव्यता से ओत-प्रोत एक भव्य आध्यात्मिक आयोजन होने जा रहा है। 15 फरवरी को आश्रम परिसर में श्री रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के अत्यंत दुर्लभ और पवित्र 22 कुंडों के जल से 12 ज्योतिर्लिंगों का विधिवत रुद्राभिषेक एवं पूजन किया जाएगा। यह विशेष अनुष्ठान परम पूज्य गुरुदेव विवेक महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न होगा।

श्री गुटकेश्वर सद्गुरु परिवार न्यास 5100 तुलसी व बिल्वपत्र पौधों का करेगा वितरण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री गुटकेश्वर धाम सद्गुरु परिवार न्यास द्वारा एक अनूठे और प्रेरणादायक आयोजन का आयोजन किया जा रहा है। 15 फरवरी को किला मैदान स्थित रानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए 5100 तुलसी और बिल्वपत्र के पौधों का निःशुल्क वितरण किया जाएगा।

अमेजन को उपभोक्ता को रकम लौटाने का आदेश, सेवा में कमी पड़ी भारी, ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जवाबदेह

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जिला उपभोक्ता फोरम ने ऑनलाइन ई-कॉमर्स कंपनी, द्वड्डऽश्ठ के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए उपभोक्ता के पक्ष में निर्णय दिया है। जागरूक उपभोक्ता समिति के अध्यक्ष मुकेश कुमार अमोलिया द्वारा परिवादी की ओर से प्रकरण प्रस्तुत किया गया। आयोग की सदस्य डॉ. निधि बारंगे ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि मामले में उपभोक्ता को सेवा में कमी का सामना

करना पड़ा, जिसके लिए विपक्षी कंपनी उत्तरदायी है।

करीब एक लाख रुपए थी कीमत

फरियादी मयंक जैन निवासी वर्धमान नगर द्वारा दायर परिवाद के अनुसार अगस्त 2021 में उन्होंने अमेजान की वेबसाइट के माध्यम से दो परिधान डिजाइनर लहंगा-चोली ऑनलाइन ऑर्डर किए गए थे, जिनकी कुल कीमत 97,998 रु. थी। ये प्रॉडक्ट्स मिलने के बाद वे अपेक्षित गुणवत्ता और विवरण के अनुरूप नहीं पाए गए। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उत्पाद लौटाने के बावजूद कंपनी द्वारा भुगतान की गई राशि वापस नहीं की गई।

45 दिनों के भीतर ब्याज सहित राशि लौटानी होगी

सुनवाई के दौरान यह तथ्य सामने आया कि फरियादी ने समय-समय पर कंपनी से संपर्क किया, लेकिन संतोषजनक समाधान नहीं मिला। फोरम ने यह भी माना कि विपक्षी द्वारा प्रस्तुत तर्क और दस्तावेज सेवा में कमी को नकारने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। प्रकरण की सुनवाई पूरी होने के बाद फोरम ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत निर्णय पारित करते हुए अमेजान को निर्देश दिए कि वह फरियादी को दोनों प्रॉडक्ट की कुल राशि एक लाख रु. 45 दिनों के भीतर लौटाई जाए। साथ ही 21 दिसंबर 2021 से भुगतान की तिथि तक 9% वार्षिक ब्याज, मानसिक कष्ट के प्रतिकर स्वरूप 10,000 रु. और परिवाद वाद व्यय के रूप में 5,000 रु. अतिरिक्त अदा किए जाएं।

असफलता में सफलता छुपी होती है- कैलाश विजयवर्गीय

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • जीवन में कभी निराश मत होना। गीता में कृष्ण ने भी कर्म का उपदेश दिया है। कर्म करते रहो, कर्म का फल मिलता जरूर है चाहे देर से मिले। यह बात केंद्रीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने विद्यार्थियों से कहीं। वे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस अटल बिहारी वाजपयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसी वार्षिक उत्सव में बोल रहे थे। महाविद्यालय में शुक्रवार को वार्षिक उत्सव का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीयमंत्री असफलता में सफलता छुपी होती है- कैलाश विजयवर्गीय इंदौर।जीवन में कभी निराश मत होना। गीता में कृष्ण ने भी कर्म का उपदेश दिया है। कर्म करते रहो, कर्म का फल मिलता जरूर है चाहे देर से मिले। यह बात मंत्री कैलाश विजयवर्गी ने विद्यार्थियों से कहीं। वे प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री अटल बिहारी वाजपयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसी वार्षिक उत्सव में बोल रहे थे। महाविद्यालय में शुक्रवार को वार्षिक उत्सव का समापन रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीयमंत्री कैलाश विजयवर्गीय मुख रूप से उपस्थित हुए। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉक्टर ममता चंद्रशेखर की अध्यक्षता में आयोजित हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को मेहंदी, रांगोली, रस्साकशी, म्यूजिकल चेयर रेस जैसी प्रतियोगिता के साथ हुआ। कार्यक्रम के समापन पर नृत्य और गायन प्रतियोगिता में भी विद्यार्थियों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया।

कैफे में बजरंग दल का हंगामा, युवतियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक होने पर उठा विवाद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर में वैलेंटाइन डे को लेकर एक बार फिर विवाद की स्थिति बन गई। भंवरकुआं थाना क्षेत्र अंतर्गत भोलाराम मार्ग स्थित एक कैफे में चल रहे ऑफर को लेकर बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने देर रात जमकर हंगामा किया। सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया

और काफी देर तक बहस व नोकझोंक चलती रही। बजरंग दल के अभिषेक कुशवाहा ने बताया कि भोलाराम स्थित मूनलाइट कैफे में वैलेंटाइन डे के उपलक्ष्य में एक विशेष ऑफर चलाया जा रहा था। ऑफर के तहत ग्राहकों को शायरी लिखने के लिए कहा गया था। बताया गया कि जिस कपल की शायरी सर्वश्रेष्ठ होगी, उसे शहर के मल्टीप्लेक्स टिकटें मुफ्त दी जाएंगी।

अग्रसेन महासभा भवन पर आज युगलों का होगा परिणय बंधन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • ' 'नाचो आज, झूमो आज, गाओ खुशी के गीत रे... ' 'राजा की आएगी बरात...' 'आओ सखी मुझे मेहंदी लगा दो...'मानों हमारा एहसान कि लडके ने हां कर दी...' 'गंगा मैया में जब तक पानी रहे...' ये चंद गीतों की बानगी है जो शुक्रवार शाम श्री अग्रसेन महासभा द्वारा बायपास स्थित भवन पर प्रारंभ हुए 4 युगलों के दो दिवसीय सामूहिक परिणय उत्सव के शुभारंभ पर आयोजित महिला संगीत में बड़े उत्साह के साथ गूंजे। बाद में यह महफिल फाग महोत्सव एवं फूलों की होली में बदल गई। वर-वधू पक्ष के दूर-दूर से आए मेहमानों और संस्था के पदाधिकारियों ने महिला संगीत के इस आयोजन को कुछ इस अंदाज में संजोया था मानो घर की ही शादी हो। शनिवार को सामाजिक सरोकार के लिए शपथ ग्रहण के साथ नवयुगल आठ फेरे लेकर विदा होंगे। आठवां फेरा शहर को नौंवी बार स्वच्छता में अव्वल बनाने में सहयोग करने तथा किसी भी मांगलिक प्रसंग पर भोज में जूठन नहीं छोड़ने के संकल्प के साथ लिया जाएगा। महासभा के अध्यक्ष कैलाश नारायण बंसल, मंत्री राजेश मित्तल, प्रमुख संयोजक राजेश जिंदल एवं अरुण आष्टावाले के मार्गदर्शन में सामूहिक विवाह का यह 35वां आयोजन है।

देपालपुर में आवारा कुत्तों का आतंक 1 दिन में 7 घायल

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर • नगर क्षेत्र में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आमजन की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। शुक्रवार को हालात उस समय बिगड़ गए जब एक उग्र कुत्ते ने अलग-अलग स्थानों पर सात लोगों को काट लिया। घटना के बाद पूरे नगर में भय और रोष व्याप्त है।

चार घायलों का शासकीय अस्पताल में उपचार - कुत्ते के हमले में घायल चार लोगों को तुरंत शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका प्राथमिक उपचार कर रेबीज से बचाव के इंजेक्शन लगाए गए। शेष घायलों ने निजी चिकित्सकों से उपचार कराया। चिकित्सकों का कहना है कि समय पर इलाज न मिले तो रेबीज जानलेवा साबित हो सकता है।

मंगलवार का पशु बाजार बन रहा है कारण- नगरवासियों का कहना है कि हर मंगलवार को लगने वाले पशु बाजार के दौरान आसपास के गांवों से लाए गए कुत्तों को नगर में छोड़ दिया जाता है। यही कुत्ते धीरे-धीरे झुंड बनाकर गलियों में घूमते हैं और पहले पशुओं, फिर इंसानों पर हमला करने लगते हैं।

हर गली में दिख रहा खतरा - नगर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों, बस स्टैंड, स्कूल जाने वाले रास्तों और कॉलोनियों में आवारा कुत्तों का जमावड़ा देखा जा रहा है। बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं में डर का माहौल है। लोग अब घर से बाहर निकलने से भी घबराने लगे हैं।

प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल - इतनी बड़ी घटना के बाद भी नगर परिषद की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। न तो कुत्तों को पकड़ने की कार्रवाई शुरू हुई है और न ही पशु बाजार में कोई निगरानी व्यवस्था की गई है। इससे नागरिकों में नाराजगी बढ़ रही है।

घायल नागरिक इस घटना में घायल होने वालों में — सौरभ यादव, मयूर चौहान, प्रवीण चौहान और गिरधर चौहान शामिल हैं। अन्य पीड़ितों की जानकारी जुटाई जा रही है।

जनता की मांग- पशु बाजार में कुत्ते छोड़ने वालों पर सख्त जुर्माना लगाया जाए। आवारा कुत्तों की नसबंदी व टीकाकरण की समुचित व्यवस्था हो। नगर में स्थायी डॉग कैचर दल तैनात किया जाए। यदि शीघ्र प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो यह समस्या आने वाले समय में और भी गंभीर रूप ले सकती है।

मालवा सहकारी शक्कर कारखाना की भूमि हस्तांतरण के विरोध में अंतिम दिन बड़ी संख्या में पहुंचे किसान

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर /बरलाई • जागीर स्थित मालवा सहकारी शक्कर कारखाना की लगभग 33 हेक्टेयर भूमि को उद्योग विभाग को हस्तांतरित किए जाने की प्रस्तावित प्रक्रिया के विरोध में आज आपत्ति दर्ज कराने की अंतिम तिथि पर बड़ी संख्या में शेयरधारक किसान सांवेर एसडीएम कार्यालय पहुंचे। किसानों ने संगठित रूप से अपनी लिखित आपत्तियां प्रस्तुत कर भूमि हस्तांतरण के निर्णय पर पुनर्विचार की मांग की। किसानों का कहना है कि यह भूमि उनकी अंशपूंजी, परिश्रम और वर्षों की सहभागिता से स्थापित सहकारी संस्था की संपत्ति है। बिना शेयरधारकों की सहमति के इसे किसी भी औद्योगिक अथवा निजी प्रयोजन के लिए हस्तांतरित करना न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि सहकारिता की मूल भावना के भी विपरीत है। आज संयुक्त किसान मोर्चा के नेता श्री चंदनसिंह बड़वाया भी एसडीएम कार्यालय पहुंचे और उन्होंने स्वयं अपनी आपत्ति दर्ज कराई। इस अवसर पर संयुक्त किसान मोर्चा के नेता श्री रामस्वरूप मंत्री, किसान नेता श्री बबलू जाधव, श्री शैलेन्द्र पटेल बलराम नरवलिया सहित अनेक किसान उपस्थित रहे। नेताओं ने संयुक्त रूप से कहा कि विकास और रोजगार सृजन का वे विरोध नहीं करते, किंतु जिन किसानों की भूमि और पूंजी के आधार पर यह परियोजना प्रस्तावित है, उनके अधिकारों, उचित मुआवजे और भविष्य की सुरक्षा को सुनिश्चित किए बिना किसी भी प्रकार का निर्णय स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने मांग दोहराई कि भूमि हस्तांतरण से पूर्व सभी शेयरधारक किसानों की सहमति ली जाए, वर्तमान बाजार मूल्य के अनुरूप उचित मुआवजा प्रदान किया जाए तथा प्रभावित परिवारों को प्रस्तावित उद्योग में प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाए। किसान नेताओं ने कहा कि यदि शासन-प्रशासन द्वारा किसानों की जायज़ मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार नहीं किया गया तो वे लोकतांत्रिक एवं विधिसम्मत तरीके से आगे की रणनीति तय करने के लिए बाध्य होंगे। किसानों ने विश्वास जताया कि शासन उनकी भावनाओं और अधिकारों का सम्मान करते हुए न्यायपूर्ण निर्णय लेगा।

स्वच्छ इंदौर के साथ चाहिए स्वच्छ संगीत भी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • संगीत इश्वर का दिया हुआ एक अनमोल वरदान है जो केवल मनोरंजन नहीं बल्कि हमारी आत्मा को भी स्पंदित करता है। संस्था मेक म्यूजिक और सुर अंजलि के माध्यम से एक नए अभियान का श्रीगणेश किया जा रहा है जिसे हमने 'स्वच्छ इंदौर स्वच्छ संगीत' नाम दिया है। हम यहाँ एक ऐसा मंच बनाना चाहते हैं जहाँ माता-पिता अपने बच्चों और परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर गीत और संगीत के कार्यक्रमों का आनंद ले सकें, जहाँ संगीत में शालीनता, संस्कृति, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा का पर्यावरण बने और एक स्वस्थ पारिवारिक वातावरण में हम संगीत को आत्मसात कर सकें। हमारा उद्देश्य संगीत की गरिमा को सुरक्षित रखना भी है।

जबरेश्वर सेना द्वारा महाशिवरात्रि पर्व पर ऐतिहासिक चल समारोह

निलेश चौहान (94250-77209)

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत

जबरेश्वर महादेव मंदिर जिसका संघर्ष सतत् 2017 से चल रहा है 2017 में मकर संक्रांति पर इसका आगाज हुआ था और तभी से हर वर्ष सैकड़ों की संख्या में महाशिवरात्रि पर्व पर भक्त एकत्रित होते है। और शोभायात्रा निकालकर जबरेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करते है परंतु दुखद विषय ये है कि वहां पर कुछ वर्षों पहले विधर्मियों द्वारा मंदिर ओर आसपास की जगह पर कब्जा कर लिया गया था जिसकी सूचना 2017 में जबरेश्वर सेना को प्राप्त हुई ,तभी से जबरेश्वर सेना ने मंदिर को पुनः अपने स्वरूप में लाने के लिए अब तक प्रयास कर रही है जबरेश्वर सेना संरक्षक राजेंद्र चौधरी का कहना है कि विधर्मियों द्वारा मंदिर एवं सनातन संस्कृति को गहरी चोट पहुंचाई गई जिसका जवाब हिंदू समाज अवश्य देगा, हम हर वर्ष

महाशिवरात्रि पर्व पर एकत्रित होकर जबरेश्वर महादेव का अभिषेक करते है एवं ये संकल्प लेते है कि जल्द ही जबरेश्वर महादेव अपने स्थान पर विराजमान हो जिसके लिए जो भी कार्य करना होगा साम दाम दंड भेद हर प्रकार का प्रयास हम करते रहेंगे मंदिर संघर्ष को लेकर हर गांव समरसता भोज का आयोजन भी किया गया , जबरेश्वर संरक्षक राजेंद्र चौधरी ने बताया कि मंदिर का केस हाई कोर्ट में लंबित हैं लेकिन जल्द ही इस पर निर्णय होना चाहिए, हिंदू समाज अब बर्दाश्त नहीं करेगा ।

माना जाता है कि राजेंद्र चौधरी के पास देपालपुर तहसील में युवाओं की बहुत बड़ी फौज है जिसका उदाहरण अभी महाशिवरात्रि पर देखने को मिल सकता है प्रसाद में खिचड़ी का वितरण किया जाएगा। जबरेश्वर सेना ने देपालपुर नगर एवं आसपास के ग्रामीण लोगों से आव्हान किया है कि वे 15 फरवरी रविवार को श्री जबरेश्वर महादेव की भव्य शाही सवारी में पधारे ओर इस ऐतिहासिक कार्य का हिस्सा बने।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश निःशुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

विकास की चमक और प्रदूषित जल का अंधेरा, एक सामूहिक आत्मघात

बढ़ती जनसंख्या के साथ विकास का कथित माडल आज स्वच्छ जीवन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। रासायनिक औद्योगिक अपशिष्ट, चिकित्सीय कचरा और सीवेज का गंदा पानी बिना समुचित शोधन के नदियों और दूसरे जलस्त्रोतों में सीधे छोड़ा जा रहा है। कुछ समय पहले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में प्रदूषित पेयजल आपूर्ति के कारण कई लोगों की असमय मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया। इसके तुरंत बाद गुजरात के गांधीनगर में प्रदूषित पानी से टाइफाइड फैलने की घटनाओं ने चिंता बढ़ा दी। यह समस्या केवल एक-दो शहरों तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे देश में पेयजल की स्थिति गंभीर और चिंताजनक बनी हुई है। 'वर्ल्ड पापुलेशन रिव्यू' की स्वच्छ जल रैंकिंग- 2025 में 172 देशों की सूची में भारत 138वें स्थान पर है। वर्ष 2013 के बाद से देश की पेयजल गुणवत्ता में निरंतर गिरावट दर्ज की जा रही है। बढ़ती जनसंख्या के साथ विकास का कथित माडल आज स्वच्छ जीवन के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। रासायनिक औद्योगिक अपशिष्ट, चिकित्सीय कचरा और सीवेज का गंदा पानी बिना समुचित शोधन के नदियों और दूसरे जलस्त्रोतों में सीधे छोड़ा जा रहा है। खेती, उद्योग और शहरी आबादी द्वारा पारंपरिक जलस्त्रोतों का अत्यधिक दोहन किया जा रहा है। बदले में उन्हीं स्त्रोतों में प्रदूषित जल प्रवाहित कर दिया जाता है। यह स्थिति किसी सामूहिक आत्मघात से कम नहीं है। कभी कल-कल बहने वाली नदियां आज गंदे नालों में तब्दील हो चुकी हैं। जो नदियां धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का केंद्र थीं, वे गर्मियों में बदहाल दिखाई देती हैं। यही नदियां किनारों पर बसे शहरों और गांवों की आबादी को पेयजल उपलब्ध कराती हैं। ऐसे में मानव दूषित जल को शुद्ध करने के प्रयास में कमजोर पड़ता जा रहा है और अंततः जीवन से हारने लगता है। दूसरी ओर छोटी और स्थानीय नदियां अब बरसाती नालों के रूप में पहचानी जाने लगी हैं। जल प्रदूषण नियंत्रण एवं रोकथाम अधिनियम 1974 और अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम 1969 जैसे कानून आज केवल कानूनी पुस्तकों तक सीमित होकर रह गए हैं। देश का लगभग सत्तर फीसद जल किसी न किसी रूप में प्रदूषित हो चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट बताती है कि भारत में संक्रामक बीमारियों का पांचवां सबसे बड़ा कारण प्रदूषित जल है। केवल अतिसार से ही देश में प्रतिवर्ष लगभग पांच लाख बच्चों की मृत्यु हो जाती है, जबकि दो लाख से अधिक वयस्क गंदे पानी से होने वाली बीमारियों के कारण अपनी जान गंवा देते हैं।

अब बांग्लादेश में नहीं गलेगी चीन की दाल

17 साल के देश निकाला के बाद देश लौटे एक नेता के नेतृत्व में, तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने गुरुवार को हुए अहम राष्ट्रीय चुनाव में बड़ी जीत हासिल की है जुलाई 2024 के विद्रोह के बाद पहला चुनाव है, जिस भेज ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 15 साल के सख्त शासन को खत्म कर दिया था। बांग्लादेश के चुनाव आयोग के अनुसार, गुरवार को हुए मतदान में लगभग 170 मिलियन लोगों के देश में 127 मिलियन से ज्यादा योग्य वोटर शामिल थे, जिसमें देश भर की 299 संसदीय सीटों पर 1,981 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे थे।जैसे-जैसे आधी रात के बाद भी गिनती जारी रही, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी सत्ता वापस पाने के और करीब पहुँच गई। अगस्त 2024 में अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद बने अंतरिम प्रशासन की जगह लेने के लिए हुए अहम आम चुनाव में, पार्टी ने अपने पुराने साथी जमात-ए-इस्लामी पर बड़ी बढ़त बना ली है। शेख हसीना की अब खत्म हो चुकी अवामी लीग के मैदान से गायब होने के कारण, चुनाव झझक और जमात-ए-इस्लामी के बीच सीधा मुकाबला बन गया है। गुरवार देर रात आए अनऑफिशियल नतीजों से पता चला कि BNP ज्यादातर सीटों पर आगे चल रही है।

इत्तेफ़ाक अखबार के अनऑफिशियल नतीजों के मुताबिक, BNP ने 158 सीटें, जमात ने 41 और अन्य ने पाँच सीटें जीती हैं। जिन 299 सीटों पर वोटिंग हुई थी, उनमें से 204 पर गिनती पूरी हो चुकी थी। रिपोर्ट से पता चला कि BNP ने चुनाव जीत लिया है। इलेक्शन कमीशन के अधिकारियों ने बताया कि BNP चेयरमैन और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान ने अपने होम डिस्ट्रिक्ट बुगुरा में जीत हासिल की। रहमान को 2,16,284 वोट मिले, जबकि उनके सबसे करीबी विरोधी और जमात के उम्मीदवार अबिदुर रहमान को 97,626 वोट मिले। BNP ने पहले घोषणा की थी कि अगर वह सत्ता में आती है, तो रहमान बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री होंगे, जिससे मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार का 18 महीने का शासन खत्म हो जाएगा।

अब तक के नतीजों में नई सरकार की तस्वीर होने के बाद मन जा रहा है कि युनुस राज के खत्म होते ही अब चीन की दाल भी नहीं गलेगी। कारण कि अमेरिका ने चीन के बढ़ते दबदबे को रोकने का पूरा प्लान तैयार कर लिया है। जी हां, वॉशिंगटन अब बांग्लादेश को अमेरिकी और उसके दोस्त देशों के हथियार सिस्टम ऑफर करेगा, ताकि चीन की हथियारों की दुकानदारी पर ब्रेक लगे। इससे न केवल बांग्लादेश को फायदा होगा, बल्कि भारत को भी राहत मिलेगी। कारण कि बांग्लादेश में चीन दखल भारत के पड़ोसी देश में कम होगी। अमेरिकी राजदूत ब्रेंट टी। क्रिस्टेंसन ने रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में साफ कहा कि दक्षिण एशिया में चीन का असर बढ़ रहा है और अमेरिका बांग्लादेश की नई सरकार के साथ मिलकर इसके जोखिम बताएगा।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, ढाका में वॉशिंगटन के एम्बेसडर ने क्रिस्टेंसन ने कहा कि अमेरिका साउथ एशिया में चीन की बढ़ती मौजूदगी को लेकर परेशान है और बांग्लादेश की अगली सरकार को चीनी हार्डवेयर के ऑप्शन के तौर पर अमेरिकी और उसके सहयोगी डिफेंस सिस्टम देने का प्लान बना रहा है। बता दें कि बांग्लादेश की राजनीति में बड़ा उलटफेर अगस्त 2024 में हुआ था। तब जेन जी के नेतृत्व में हुए विद्रोह ने भारत समर्थक प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटा दिया। इस विरोध-प्रदर्शन की वजह से शेख हसीना दिल्ली भाग आईं। उसके बाद से भारत का बांग्लादेश में असर कम हो गया। इसी फायदा उठाते हुए चीन ने तेजी से कदम बढ़ाए। हाल ही में चीन ने बांग्लादेश के साथ रक्षा समझौता किया, जिसमें भारत बॉर्डर के पास ड्रोन फैक्ट्री बनाने का प्लान है। अमेरिका के साथ-साथ यह भारत के लिए भी चिंता की बात है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि बांग्लादेश में चीन का अधिक दखल भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है।

सबसे पहले जानते हैं कि हाल फिलहाल में चीन ने बांग्लादेश में क्या किया है। दरअसल, चीन ने हाल ही में भारत बॉर्डर के पास एक ड्रोन फैक्ट्री बनाने के लिए बांग्लादेश के साथ एक डिफेंस एग्रीमेंट किया है। इससे अमेरिकी और अन्य एशियाई डिप्लोमैट्स परेशान हैं। इतना ही नहीं, बांग्लादेश चीन के साथ मिलकर डेवलप किया गया एक मल्टी-रोल कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, छ्व्न-17 थंडर फाइटर जेट खरीदने के लिए पाकिस्तान से भी बातचीत कर रहा है। ये सब चीन की सैन्य साझेदारी को मजबूत कर रहा है।

अमेरिकी एम्बेसडर क्रिस्टेंसन ने कहा, 'अमेरिका साउथ एशिया में चीन के बढ़ते असर को लेकर परेशान है और चीन के साथ कुछ तरह के जुड़ाव के रिस्क को साफ तौर पर बताने के लिए बांग्लादेशी सरकार के साथ मिलकर काम करने के लिए कमिटेड है।' उन्होंने और अधिक जानकारी दिए बिना कहा, 'बांग्लादेश को उसकी मिलिट्री क्षमता की जरूरतों को पूरा करने में मदद करने के लिए अमेरिका कई ऑप्शन देगा है, जिसमें अमेरिकी सिस्टम और सहयोगी पार्टनर के सिस्टम शामिल हैं, ताकि चीनी सिस्टम के विकल्प दिए जा सकें।' उन्होंने साफ-साफ इशारा कर दिया कि चीन के हथियारों के बजाय अमेरिकी या उसके दोस्तों के सिस्टम बांग्लादेश के लिए ज्यादा भरोसेमंद और सुरक्षित होंगे।

अब बात करे इन नतीजों के आने का बाद भारत में क्या बदलेगा अब अमेरिका भारत-बांग्लादेश रिश्तों को सुधारने पर भी जोर दे रहा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार चाहती है कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच अच्छे ताल्लुक हों, ताकि इलाके में स्थिरता बनी रहे। शेख हसीना के भागने के बाद दिल्ली-ढाका रिश्ते खराब हो गए हैं। वीजा सर्विस प्रभावित हुई, और क्रिकेट मैचों तक पर असर पड़ा। दोनों देशों के बीच व्यापार और सांस्कृतिक रिश्ते ठंडे पड़े हैं।अमेरिका का मानना है कि अगर बांग्लादेश नई सरकार के साथ भारत से दोस्ती बढ़ाए, तो दक्षिण एशिया में शांति बनी रहेगी।भारत के लिए यह अच्छी खबर है, क्योंकि चीन की बॉर्डर पर ड्रोन फैक्ट्री से सुरक्षा खतरा कम होगा। अमेरिकी प्लान से भारत को अप्रत्यक्ष फायदा मिलेगा, क्योंकि बांग्लादेश अगर अमेरिकी हथियार चुनता है, तो चीन-पाकिस्तान का गठजोड़ कमजोर पड़ेगा। खुद क्रिस्टेंसन ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन इस क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए बांग्लादेश और भारत के बीच अच्छे रिश्ते देखना चाहता है।

अमेरिका अब बांग्लादेश में व्यापारिक कूटनीति को सबसे ऊपर रख रहा है। क्रिस्टेंसन ने कहा कि कई अमेरिकी कंपनियां बांग्लादेश में इन्वेस्ट करने के बारे में सोच रही हैं, लेकिन वे चाहेंगे कि अगली बांग्लादेशी सरकार जल्दी और साफ़ संकेत दे कि वह बिज़नेस के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'कमर्शियल डिप्लोमेसी हमारी टॉप प्रायोरिटी में से एक है, और हम अंतरिम सरकार के साथ हुई प्रोग्रेस को आगे बढ़ाने के लिए नई सरकार के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं, खासकर कमर्शियल, इकोनॉमिक और सिक्योरिटी संबंधों को मज़बूत करने में।' चेवरॉन जैसी ऊर्जा कंपनी दशकों से बांग्लादेश में काम कर रही है, लेकिन अन्य अमेरिकी ब्रांड कम दिखते हैं। 17 l5 करोड़ की आबादी वाले इस घनी आबादी वाले देश में ऊंचे टैक्स और मुनाफा बाहर भेजने की मुश्किलें बाधा हैं। यहां स्टारबक्स या मैकडॉनल्ड्स जैसी चेन नहीं हैं।

क्रिस्टेंसन ने कहा कि व्यापारिक कूटनीति हमारी प्राथमिकता है। अंतरिम सरकार के साथ जो प्रगति हुई, उसे नई सरकार के साथ मजबूत करेंगे, खासकर आर्थिक, व्यावसायिक और सुरक्षा क्षेत्र में।' अमेरिका चाहता है कि बांग्लादेश निवेशकों के लिए आसान माहौल बनाए, ताकि रोजगार बढ़े और अर्थव्यवस्था मजबूत हो। अमेरिका ने साफ कहा कि जो भी सरकार चुनी जाए, उसके साथ काम करेंगे। लेकिन चुनाव के बाद स्थिरता जरूरी है, ताकि निवेश आए। इतना ही नहीं, अमेरिका ने यह भी भरोसा दिलाया है कि वह रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए मदद करता रहेगा।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार ,लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

एमजी रोड पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनेगा, पड़ाली नदी पर परिक्रमावासियों को मिलेगा पुल

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह • नगर पालिका शहर में दो बड़े विकास कार्य शुरू करने जा रही है। मुख्य बाजार एमजी रोड पर बाफना मार्केट के पास 81 लाख रुपए की लागत से नया शॉपिंग कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। नपाध्यक्ष राकेश गुप्ता, सीएमओ कुलदीप किशुंक और पार्षदों ने भूमि पूजन कर निर्माण कार्य की शुरुआत की। यह कॉम्प्लेक्स 32×100 फीट जमीन पर बनेगा और इसमें आठ दुकानें होंगी। इसमें दोनों तरफ से प्रवेश और निकास की सुविधा रहेगी, जिससे भीड़ कम होगी और लोगों को आने-जाने में आसानी होगी। कॉम्प्लेक्स के बीच से एमजी रोड को तिलक मार्ग से जोड़ने वाला रास्ता भी बनाया जाएगा। नपाध्यक्ष ने बताया कि इस निर्माण से नगर पालिका की आय बढ़ेगी और बाजार क्षेत्र का स्वरूप भी बेहतर होगा। इसके बाद सत्ती घाट मंदिर के पास बन रहे एक अन्य कॉम्प्लेक्स का भी निरीक्षण किया गया। वहां चार दो मंजिला दुकानें बनाई जा रही हैं, जिनकी सीढ़ियां अंदर से होंगी। नगर से हर दिन सैकड़ों नर्मदा परिक्रमावासी गुजरते हैं। गवली मोहल्ले के पास पड़ाली नदी को पार करने में उन्हें काफी परेशानी होती थी, क्योंकि नदी नाले का रूप ले चुकी है।

इस समस्या को देखते हुए नगर पालिका अब 65 लाख रुपए की लागत से यहां नया पुल बनाएगी। यह पुल स्टॉप डैम की तरह तैयार किया जाएगा, जिससे गर्मी के दिनों में पानी रोकने में भी मदद मिलेगी। नपाध्यक्ष और अधिकारियों ने गोपाल मंदिर के पास पहुंचकर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि जल्द ही भूमि पूजन कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस पुल के बनने से परिक्रमावासियों और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

108 कुंडीय महायज्ञ, डेढ़ करोड़ आहुतियां होंगी

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह • 108 कुंडीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ और श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन होने जा रहा है। यह अनुष्ठान स्वामी श्री निर्मल चैतन्यपुरी जी महाराज के सानिध्य में 19 से 28 फरवरी तक नर्मदा रोड पर सत्कार ढाबे के पीछे सम्पन्न होगा। इस दौरान कुल डेढ़ करोड़ आहुतियां डाली जाएंगी। आयोजन स्थल पर युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही हैं। 120 बाय 120 फीट क्षेत्रफल में यज्ञशाला का निर्माण वैदिक पद्धति से किया जा रहा है। महायज्ञ में शामिल होने वाले यजमानों को यज्ञ के सभी वैदिक नियमों का पालन करना अनिवार्य होगा, जिसमें मुंडन से लेकर नौ दिनों तक के सभी नियम शामिल हैं। उन्हें पूरे आयोजन के दौरान घर त्याग कर आयोजन स्थल पर ही निवास करना होगा। स्वामी निर्मल चैतन्यपुरी महाराज ने बताया कि यह महायज्ञ सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। अनुष्ठान की शुरुआत कलश यात्रा के साथ होगी। नौ दिनों तक प्रतिदिन सुबह से 6 बजे तक हवन कुंड में आहुतियां दी जाएंगी।

तहसीलदार ने कोटवारों से लुटवाए मिर्ची के स्टॉल, रेहड़ी वालों ने विधायक की गाड़ी रोकी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • मोरटक्का में शुक्रवार शाम को रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों ने हंगामा खड़ा कर दिया। मामला तब गर्मा गया, जब उन्होंने विधायक की गाड़ी रोक ली। वजह यह थी कि उनके मिर्च के स्टॉल लूट लिए गए थे। तहसीलदार ने कार्रवाई करते हुए पूरा सामान कोटवारों से लुटवा लिया। फिर लूटे हुए सामान को कोटवारों ने आपस में बांट लिया। विरोध प्रदर्शन के बीच पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में विधायक ने जांच के लिए कहा है। सनावद बेड़ा मिर्ची का गढ़ होने की वजह से मोरटक्का और आसपास सैकड़ों दुकानें हाईवे किनारे लगी रहती हैं। ऐसे में शुक्रवार को भी ओंकारेश्वर रोड पर ग्राम मोरटक्का और थापना के बीच हाईवे पर मिर्ची की दुकानें लगी थीं। दोपहर बाद ओंकारेश्वर तहसीलदार नरेंद्र मुवेल मौके पर पहुंचे और कोटवारों के जरिए करीब 15 दुकानों का सामान जब्त करवा लिया। जब्ती की कार्रवाई उन्होंने कोटवारों से करवाई। आरोप है कि ट्रैक्टर में भरकर सामान को ओंकारेश्वर ले जाया गया। बाद में कोटवारों ने जब्त माल को आपस में बांट लिया। इधर, रास्ते से गुजर रहे विधायक नारायण पटेल को दुकानदारों ने रोक लिया। व्यापारियों की मानें तो एक-एक दुकान पर 15-15 हजार रुपए के करीब का सामान था। कुछ मिर्ची, मसाला और हल्दी सामान की बात की जाए तो यह एक लाख रुपए के करीब का था। वहीं प्रशासन ने महाशिवरात्रि पर्व को लेकर ट्रैफिक क्लियर किए जाने का हवाला दिया है। विधायक नारायण पटेल को घेराबंदी की सूचना मिलने के बाद मौके पर मांधाता टीआई अनोकसिंह सिंधिया के साथ पुलिस बल मौके पर पहुंचा। आसपास के थाना और चौकियों से भी बल मंगवा गया। इसके बाद ओंकारेश्वर नगर परिषद कार्यालय पर काफी देर तक हंगामा चला।

मेरे पूर्वजों ने अंग्रेजों से लड़ी लालसेना की मदद की : विजय शाह

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा • गर्ल्स कॉलेज में छात्रोत्सव कार्यक्रम को मंत्री विजय शाह ने संबोधित किया। मंत्री शाह ने अपने पूर्वजों का आजादी के आंदोलन में योगदान का जिक्र किया। उन्होंने कहा अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने वाले टंट्या भील को मदद करने के मामले में मेरे दादाजी को दो साल तक अंग्रेजों ने नजरबंद रखा। ये वहीं मकड़ाई राजवंश हैं, जिसने ना सिर्फ टंट्या भील जैसे क्रांतिकारी बल्कि उस दौरान अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ लड़ रही नागपुर की हिंदुस्तानी लालसेना तक भी मदद पहुंचाई। यह बात उन्होंने कॉलेज की ही महिला प्रोफेसर डॉ. सीमा कदम के एक शोध पत्र के हवाले से दी। शाह का यह बयान तब आया है, जब वे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए बयान को लेकर घिरे हुए हैं। मंत्री शाह ने दावा किया कि लालसेना के आजादी में योगदान से जुड़ी किताबों में भी मकड़ाई राजवंश का उल्लेख मिलता है। वहीं जननायक टंट्या भील ने कई राजघरानों में लूट की वारदातें की, उस पैसे से समाज सेवा के काम किए। लेकिन उन्होंने मकड़ाई राजघराने के खजाने पर हाथ नहीं डाला। इसी बात से अंग्रेज अचरज में रहते थे और मेरे दादाजी को दो साल तक नजरबंद करके रखा था। इसके अलावा संत सिंगाजी की कथाओं में मकड़ाई राजवंश का उल्लेख मिलता है। आज सिंगाजी महाराज की कृपा से ही यह वंश जिंदा है और जनसेवा में लगा है। मुझे 35 बरस हो गए हैं। मंत्री विजय शाह ने बताया कि मध्यप्रदेश सरकार ने जनजातीय क्षेत्रों की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर ली है। प्रदेश के 88 ट्राइबल ब्लॉकों में छात्रावासों को बंद कर छात्रों को बस सुविधा के माध्यम से कॉलेज भेजा जाएगा। प्रत्येक ट्राइबल ब्लॉक में 10-10 बसें उपलब्ध कराई जाएंगी। बसें सुबह छात्रों को उनके घर से कॉलेज लेकर जाएंगी, दोपहर में भोजन की व्यवस्था भी कराई जाएगी और शाम 5 बजे सुरक्षित वापस घर छोड़ेंगी। बस से आने-जाने और भोजन की पूरी व्यवस्था का खर्च प्रदेश सरकार उठाएगी। शाह ने कहा कि उनकी हरसूद विधानसभा में लगभग 10 हजार छात्र अध्ययनरत हैं। छात्रावासों में अधीक्षिका और कर्मचारियों के वेतन सहित भारी खर्च आता है। इसके बजाय बस सुविधा से बच्चों को प्रतिदिन कॉलेज लाना-ले जाना अधिक प्रभावी और पारदर्शी व्यवस्था होगी।

छात्रों का हाईवे पर प्रदर्शन, छात्रावास में पानी नहीं मिलने पर नारेबाजी

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन •जिले के तलकपुरा स्थित शासकीय आदिवासी बालक छात्रावास में पेयजल संकट से परेशान छात्रों ने प्रदर्शन किया। शुक्रवार शाम 7:30 बजे छात्रों ने खंडवा-बड़ोदरा हाईवे पर नारेबाजी करते हुए धरना दिया। छात्रों ने बताया कि छात्रावास में कक्षा 9 से 12वीं तक के 50 विद्यार्थी रहते हैं। पिछले 15 दिनों से यहां पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। परीक्षा के समय में छात्रों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। छात्रों के अनुसार, उन्होंने स्थानीय प्रशासन को इस समस्या से लगातार अवगत कराया था। हालांकि, सरपंच और सचिव की ओर से छात्रावास की समस्या पर कोई सुनवाई नहीं हुई। प्रदर्शन के दौरान छात्र 'हॉस्टल को पानी दो' के नारे लगाते हुए सड़क पर बैठ गए, जिससे हाईवे पर दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूचना मिलने पर रात 8 बजे बीईओ संदीप कापडनीस, तहसीलदार अंतरसिंह कनेश और ऊन टीआई दिनेश सोलंकी मौके पर पहुंचे। यह प्रदर्शन करीब एक घंटे तक चला। अधिकारियों ने छात्रों को समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया, जिसके बाद छात्रों ने अपना धरना समाप्त कर दिया। रात 9 बजे के बाद धरना खत्म होने पर लगभग आधे घंटे में हाईवे पर यातायात सामान्य हो सका।

आयुक्त की अनुपस्थिति पर उठे सवाल भाजपा जिला अध्यक्ष ने दिया जवाब

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर • नगर निगम के खिलाफ कांग्रेस द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के बाद अब भाजपा की ओर से जवाब सामने आया है। गुरवार रात भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. मनोज माने ने कांग्रेस के आरोपों को निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जन समस्याओं के नाम पर राजनीतिक प्रदर्शन कर रही है। मंगलवार को जिला कांग्रेस अध्यक्ष रिंकू टाक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने जयस्तंभ पर धरना दिया था और बाद में नगर निगम का घेराव किया था। निगम आयुक्त के कार्यालय में नहीं मिलने पर कांग्रेस नेताओं ने एक बकरे के गले में ज्ञापन बांधकर विरोध दर्ज कराया था। इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए डॉ. माने ने कहा कि 14 फरवरी को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों के कारण निगम आयुक्त जिला प्रशासन की बैठक में व्यस्त थे। उन्होंने फोन पर कांग्रेस अध्यक्ष से बात कर सहायक आयुक्त को ज्ञापन देने का आग्रह किया था, लेकिन कांग्रेस ने इसे स्वीकार नहीं किया। उस समय महापौर भी कार्यालय में मौजूद थीं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने जल प्रदाय और सड़कों को लेकर लगाए गए आरोपों को भी गलत बताया। उनका दावा है कि शहर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध है और इसकी नियमित जांच की जा रही है।

स्पिनरों को खेलने में कमजोर नहीं इंग्लैंड के बल्लेबाज : ब्रूक

नई दिल्ली (एजेंसी) • इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा है कि उनकी टीम के बल्लेबाज स्पिन गेंदबाजी खेलने में कमजोर नहीं है। ब्रूक ने माना है कि विश्वकप के शुरुआत मैच में उनके कुछ बल्लेबाज स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं दिखे पर इससे उनकी क्षमताओं पर सवाल नहीं उठाये जा सकते हैं। ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों का सामना करन आता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में हार के बाद इंग्लैंड के बल्लेबाजों की स्पिनरों को खेलने में कमजोरी सामने आई थी। इसी कारण इंग्लैंड के छह बल्लेबाज स्पिनरों का शिकार बने थे। वहीं जब ब्रुक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ परेशानी हुई तो उन्होंने इससे इंकार किया ।'

कप्तान ने तर्क दिया कि विश्वकप से पहले उसने दिग्गज स्पिनरों के सजी श्रीलंकाई टीम को तीनों मैच में हराया था। उन्होंने कहा, 'श्रीलंका के खिलाफ उस सीरीज ने यह साबित कर दिया था कि हमारे बल्लेबाज स्पिनरों को आसानी से खेलते हैं। मुझे लगा कि हमने वहां स्पिन गेंदबाजी का बहुत अच्छी तरह से सामना किया हालांकि उन्होंने माना कि वेस्टइंडीज की टीम ने अच्छी गेंदबाजी की थी। साथ ही कहा कि उन्होंने पूरे समय खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी। हमने एक साथ कई विकेट खोये जिससे भी टीम दबाव में आयी। ।' वहीं वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप इस बात से काफी खुश थे कि उनकी टीम ने टूर्नामेंट में अब तक दोनों मैच अच्छी तरह से जीते हैं। उन्होंने कहा, हो सकता है कि हमारा स्कोर औसत के आसपास ही रहा हो, लेकिन फिर भी कुछ रन बनाने से हम खुश हैं। यह विश्व कप का मैच है और इसमें 10-20 रन अतिरिक्त बन सकते थे। इसलिए हमारे लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि हम अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करें और फिर गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करें।

अभिषेक का पाकिस्तान के खिलाफ खेलना तय नहीं : सूर्यकुमार

नई दिल्ली (एजेंसी) • बल्लेबाज अभिषेक अभी तक अपने पेट के संक्रमण से पूरी तरह से नहीं उबर पाये हैं। इस कारण अभिषेक का 15 फरवरी को कोलंबो में पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले में खेलना संदिग्ध है। इसका कारण ये है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है पर अभी भी वह काफी कमजोरी महसूस कर रहे हैं। टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी कहा है कि अभिषेक अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए है और इस कारण हो सकता है कि उन्हें एक दो मैचों से दूर रहना पड़े। पेट में संक्रमण के कारण अभिषेक को तेज बुखार और पेट दर्द के चलते दो दिन तक अस्पताल में रहना पड़ा था। इसी कारण व अस्पाल से छुट्टी मिलने के बाद भी अभ्यास के लिए नहीं उतर पाये क्योंकि उन्हें कमजोरी लग रही है। उनका थोड़ा भी कम हुआ है। पेट के संक्रमण से उबरने के बाद पूरी तरह ठीक होकर शीर्ष स्तर पर खेलने में उन्हें कुछ समय जरुर लगेगा।

सूर्यकुमार ने कहा, 'अभिषेक अभी पूरी तरह ठीक नहीं हैं, एक-दो मैच लग सकते हैं.' कोलंबो में उनका अभ्यास सेशन यह बताएगा कि वह किस हालत में हैं। अगर वह नेट्स में सामान्य तरीके से ज्यादा देर तक बल्लेबाज करते हैं तो इसे उनके खेलने के लिए फिट होने का संकेत माना जा सकता है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में भारतीय टीम के नेट सत्र को देखें तो अभिषेक कई बार बल्लेबाजी करते हैं और तीन घंटे के अभ्यास सत्र में करीब 75 से 90 मिनट तक बल्लेबाजी करते हैं। पाक के खिलाफ अभिषेक अगर नहीं खेल पाते हैं तो ईशान किशन के साथ एक बार फिर पारी शुरु करने की जिम्मेदारी संजू सैमसन को मिलेगी।

दीपिका के बाद अब प्रकाश राज भी फिल्म 'स्पिरिट' से बाहर

मुंबई (एजेंसी) • मशहूर फिल्म डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सुपर स्टार प्रभास के इस मेगा प्रोजेक्ट से जुड़ी खबरें रोजाना सुर्खियां बन रही है। अभिनेत्री दीपिका पादूकोण के बाद अब दिग्गज अभिनेता प्रकाश राज 'स्पिरिट' का हिस्सा नहीं रहेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, प्रकाश राज को शुरुआत में फिल्म की प्रमुख कास्ट का एक अहम हिस्सा माना गया था और उनका किरदार भी काफी दमदार बताया गया था। लेकिन शूटिंग के दौरान हालात अचानक बिगड़ गए।

बताया जा रहा है कि एक सीन की स्क्रिप्ट और उसे शूट करने के तरीके को लेकर डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा और प्रकाश राज के बीच तीखी बहस हो गई, जो धीरे-धीरे गंभीर विवाद में बदल गई। सूत्रों का कहना है कि बहस सिर्फ सेट तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि प्रोडक्शन टीम के साथ भी प्रकाश राज का तालमेल बिगड़ने लगा। टीम के साथ उनके व्यवहार को लेकर भी कई शिकायतें सामने आईं, जिसके चलते मेकर्स ने उन्हें फिल्म से बाहर करने का फैसला लिया। हालांकि, इस पूरे मामले पर न तो प्रकाश राज का कोई आधिकारिक बयान सामने आया है और न ही मेकर्स ने इसे सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है। इससे पहले वर्ष 2024 में दीपिका पादुकोण ने भी 'स्पिरिट' को अलविदा कह दिया था।

फिल्म 'रागिनी 3' में तमन्ना और जुनैद की जोड़ी

मुंबई (एजेंसी) • बालाजी मोशन पिक्चर्स ने थ्रिलिंग डेट नाइट हॉरर फिल्म 'रागिनी 3' का ऐलान किया है। इस फिल्म में लीड रोल में तमन्ना भाटिया होंगी और उनके साथ जुनैद खान नजर आएंगे। फिल्म का निर्देशन शशांक घोष करेंगे। 'रागिनी 3' एक नए और रोमांचक चैप्टर की शुरुआत है, जिसमें एक शानदार टीम एक साथ आई है। शशांक घोष निर्देशक के तौर पर शामिल हैं, जबकि साहिर रजा अभी भी प्रोजेक्ट की क्रिएटिव ताकत बने हुए हैं। इस सहयोग से फिल्म का स्केल नई ऊँचाइयों तक पहुँच गया है और इसे इस जॉनर की सबसे प्रत्याशित फिल्मों में से एक बना दिया है। यह शशांक घोष और बालाजी मोशन पिक्चर्स की फिर से साथ आनाभी है, जिन्होंने पहले 'वीरे दी वेडिंग' और 'फ्रेडी' जैसी सफल फिल्मों पर साथ काम किया था। ऐसे में 'रागिनी 3' के साथ टीम का मकसद एक बोल्ड, फ्रेश और स्टाइलिश डेट नाइट हॉरर एक्सपीरियंस देना है। तमन्ना भाटिया, जो अपनी अलग-अलग भूमिकाओं और स्क्रीन पर मजबूती के लिए जानी जाती हैं, लीड रोल में होंगी और कहानी में ग्लैमर, इंटेंसिटी और रोमांच जोड़ेंगी।

उज्जैन संभाग

महाशिवरात्रि से पहले हाई अलर्ट, देवास गेट से रेलवे स्टेशन तक सघन चेकिंग, कई संदिग्धों से पूछताछ

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • महाशिवरात्रि पर्व से पहले उज्जैन पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। शहर में हाई अलर्ट के बीच देवास गेट से रेलवे स्टेशन तक सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान संदिग्ध व्यक्तियों, बाहरी मजदूरों और यात्रियों के दस्तावेजों की गहन जांच की गई। अभियान की शुरुआत देवास गेट थाना क्षेत्र से हुई, जहां पुलिस बल ने बस स्टैंड पर मौजूद लोगों की तलाशी ली। पुलिस ने दो युवकों को रोककर उनके बैग की जांच की और पहचान संबंधी पूछताछ की। बताया गया कि लगभग 11 बाहरी लोग उज्जैन पहुंचे थे, जिनमें से कुछ के पास आधार कार्ड नहीं मिला। तीन ऐसे व्यक्ति बिना पहचान पत्र के संदिग्ध पाए गए, जिन्हें आगे की पूछताछ के लिए थाने ले जाया गया। महिला पुलिसकर्मियों ने भी महिलाओं से अलग से बातचीत कर उनके बैग की जांच की। इसके बाद पुलिस का काफिला रेलवे स्टेशन पहुंचा। यहां बीडीएस टीम, डॉग स्क्वॉड, आरपीएफ, साइबर सेल और सूचना संकलन इकाई के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की गई। प्लेटफॉर्म नंबर एक से लेकर अंतिम छोर तक सघन चेकिंग की गई, जिसमें कचरा पेटियों और यात्रियों के बैग तक की तलाशी ली गई। पूरे उज्जैन में लगभग 100 पुलिसकर्मी पांच अलग-अलग टीमों में तैनात होकर इस अभियान में शामिल थे। फुटपाथ पर बैठे और खड़े लोगों से भी लगातार पूछताछ की गई। क्राइम ब्रांच के निरीक्षक अनिल कुमार शुक्ला ने बताया कि महाशिवरात्रि पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उज्जैन पहुंचेंगे, इसलिए बाहरी और संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। बीडीएस टीम के उप निरीक्षक महेश शर्मा ने कहा कि डॉग स्क्वॉड और तकनीकी टीम के साथ मिलकर हर संदिग्ध गतिविधि पर नजर रखी जा रही है। क्राइम ब्रांच की इंस्पेक्टर पुष्पा पंचाल के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सुबह-शाम सर्चिंग की जा रही है ताकि महाकाल की नगरी में पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। यह अभियान महाशिवरात्रि तक लगातार जारी रहेगा, जिसमें खास तौर से डेरों पर भी सर्चिंग की गई।

श्रीराम कथा : पांचवें दिन राम-जानकी विवाह प्रसंग का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

आगर-मालवा • अचलेश्वर महादेव कमलकुंडी मंदिर परिसर में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम कथा के पांचवें दिन गुरुवार को श्रीराम और सीता माता के विवाह प्रसंग का आयोजन किया गया। कथावाचक शंकरस्वरूप व्यास ने इस अवसर पर कथा का वाचन किया। व्यास ने बताया कि भगवान राम ने सीता स्वयंवर में अपने बल का प्रदर्शन कर सीता से विवाह किया था। विवाह के उपरांत उन्होंने पिता के आदेश पर 14 वर्ष का वनवास काटा। इसके बाद रावण का वध किया और प्रजा के आरोप पर माता सीता का त्याग भी किया। कथावाचक ने जोर दिया कि भगवान राम ने अपने सांसारिक जीवन में हर व्यक्ति के लिए कर्तव्य और बलिदान को चरितार्थ किया है। उन्होंने अपने बाल्यकाल से लेकर युवावस्था तक के जीवन में मानव के कई प्रश्नों के उत्तर दिए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि संसार में किस तरह जीवन जीना है और मोक्ष तक कैसे पहुंचा जा सकता है। इस दौरान राम-जानकी विवाह प्रसंग पर उपस्थित श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर झूमते हुए दिखाई दिए। कथा के अंत में आरती की गई, जिसके बाद प्रसाद वितरण किया गया।

सड़क चौड़ीकरण का नोटिस मिलते ही रहवासियों ने किया चक्काजाम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सिंहस्थ मेले में आने वाली भारी भीड़ को देखते हुए उज्जैन में आंतरिक मार्गों के चौड़ीकरण का काम तेज कर दिया गया है। कोयला फाटक मार्ग से निजातपुरा, कंठाल तक और बियाबानी से तेलीवाड़ा तक सड़क चौड़ीकरण का काम शुरू हो चुका है। शुक्रवार को तेलीवाड़ा से दानी गेट तक चौड़ीकरण के लिए नगर निगम की टीम ने मुनादी करवाई, जिसके बाद व्यापारियों और रहवासियों ने टंकी चौक के पास चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। करीब दो घंटे चले चक्काजाम के चलते राहगीरों को परेशान होना पड़ा। निगम की ओर से नोटिस मिलने के बाद रहवासियों और व्यापारियों ने कहा कि सात दिन में घर और दुकान खाली करना संभव नहीं है और उन्हें कम से कम एक महीने का समय दिया जाए। विरोध के दौरान कांग्रेस पार्षद माया त्रिवेदी सहित बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में शामिल हुए।

पार्षद ने कहा कि केडी गेट, तेलीवाड़ा और कोयला फाटक मार्ग पहले से टूटे पड़े हैं और अभी तक ठीक नहीं हो पाए हैं। यदि अन्य मार्ग भी तोड़ दिए गए तो लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित होगी, स्कूल बसों और व्यापार पर भी असर पड़ेगा। व्यापारी मुजीब सुपारी ने बताया कि रमजान, महाशिवरात्रि और स्कूल परीक्षाएं सामने हैं, जबकि कई स्कूल बसें इसी मार्ग से गुजरती हैं।

संपत्ति कर बकायेदारों पर नगर निगम सख्त, 82 हजार बकाया होने पर एक मकान सील किया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • नगर निगम ने संपत्ति कर बकायेदारों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू किया है। इसी क्रम में गुरुवार को जोन क्रमांक 01 की टीम ने वार्ड क्रमांक 01 में एक मकान को सील कर दिया। इस मकान पर 82,997 रुपए का संपत्ति कर बकाया था। निगम उन बड़े बकायेदारों के खिलाफ कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई कर रहा है, जिन पर 50 हजार रुपए से अधिक का संपत्ति कर बकाया है। इन बकायेदारों को पूर्व में कई बार सूचना पत्र जारी किए जा चुके थे, लेकिन उन्होंने राशि जमा नहीं की। गुरुवार को हुई इस कार्रवाई में मोहम्मद फारूक पिता मोहम्मद अयूब के 40 सिद्धवट मार्ग स्थित मकान को सील किया गया। इस संपत्ति पर 82,997 रुपये का संपत्ति कर बकाया था। निगम अधिकारियों ने बताया कि संबंधित करदाता को भुगतान के लिए कई नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। नगर निगम ने शहर के सभी संपत्ति करदाताओं से अपील की है कि वे अपना बकाया कर जल्द से जल्द जमा करें। ऐसा करने से वे कुर्की और तालाबंदी जैसी कार्रवाई से बच सकते हैं। निगम ने विशेष रूप से होटल, रेस्टोरेंट, शॉपिंग मॉल, हॉस्पिटल और मैरिज गार्डन जैसे सभी वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को भी समय पर कर जमा करने को कहा है। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि सभी करदाताओं से निर्धारित समय में कर जमा करने की अपील की जा रही है।

यूरिन टेस्ट से कैंसर पहचान किट बनेगी, साउथ कोरियाई कंपनी की फैक्ट्री का काम शुरू

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • साउथ कोरिया की कंपनी ईसीडीएस ने गुरुवार को उज्जैन के विक्रम उद्योगपुरी स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क में मेडिकल उपकरण निर्माण इकाई की स्थापना का काम शुरू कर दिया। कंपनी के प्रतिनिधि उज्जैन पहुंचे और श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन के बाद निर्माण कार्य शुरू किया। कंपनी इस परियोजना में करीब 780 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है। यह निवेश प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के तहत किया जा रहा है। परियोजना में तीन अन्य दक्षिण कोरियाई कंपनियां भी साझेदार हैं। कंपनी ने बताया कि यूनिट में अत्याधुनिक तकनीक से मेडिकल उपकरण बनाए जाएंगे। यहां विशेष रूप से यूरिन टेस्ट के माध्यम से कैंसर के शुरुआती लक्षणों की पहचान करने वाली किट्स का उत्पादन किया जाएगा। यूनिट के पहले चरण में करीब 500 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। उत्पादन बढ़ने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। ईसीडीएस की भारतीय शाखा के निदेशक राजेश भारद्वाज ने बताया कि यूनिट स्थापना का कार्य शुरू हो चुका है। लक्ष्य है कि अप्रैल 2027 तक उत्पादन प्रारंभ कर दिया जाए। उत्पादन अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप वैश्विक तकनीक से होगा।

जहां वंदे मातरम् अनिवार्य, वहां से बच्चों को निकालें: इमाम मुफ्ती सैय्यद

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • केंद्र सरकार ने 28 जनवरी को राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर नए दिशानिर्देश जारी किए हैं। इनके मुताबिक, अब सरकारी कार्यक्रमों, स्कूलों या अन्य औपचारिक आयोजनों में 'वंदे मातरम्' बजाया जाएगा। इस दौरान हर व्यक्ति का खड़ा होना अनिवार्य होगा। उज्जैन के इमाम मुफ्ती सैय्यद नासिर अली नदवी ने इस आदेश को इस्लाम विरोधी बताया है। उन्होंने कहा- यह आदेश हमारी धार्मिक आजादी पर हमला है। वंदे मातरम् में कहा गया है कि हिंदुस्तान की भूमि की हम पूजा करते हैं, लेकिन मुस्लमान के लिए यह बिल्कुल भी सही नहीं है कि वह अल्लाह के साथ किसी और को शरीक कर अपनी पूजा में शामिल करे। हम कहेंगे कि जिन स्कूलों में वंदे मातरम् को अनिवार्य किया जा रहा है, वहां से सभी मुस्लमान अपने बच्चों को निकाल लें। हम इसकी इजाजत नहीं दे सकते कि वह इस्लाम में रहकर किसी और खुदा की इबादत करे। यह फैसला कानून के खिलाफ है। मेरी सरकार से गुजारिश है कि अपना फैसला वापस ले।

न्यूज ब्रीफ

देपालपुर क्षेत्र में अवैध उत्खनन पर खनिज विभाग द्वारा की गई प्रभावी कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में अवैध उत्खनन के विरूद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी सिलसिले में खनिज विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को ग्राम बोरिया तहसील देपालपुर की निजी भूमि पर खनिज मिट्टी के अवैध उत्खनन पर कार्यवाही की गई। खनिज विभाग की इस कार्यवाही में अवैध उत्खनन करते हुए तीन जेसीबी मशीन व एक डंपर जप्त किए गये। जांच कार्यवाही के दौरान पूछताछ करने पर उक्त मशीनें अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर बताई गई। इसमें एक जेसीबी मशीन मालिक गोकुल चौधरी निवासी कलारिया के नाम पर बताई गई और दूसरी जेसीबी बिना नंबर लिखी गोकुल दरबार निवासी अहिरखेड़ी इंदौर का होना बताया गया। एक डंपर व तीसरी जेसीबी मशीन मालिक रमेश प्रजापति निवासी महेश नगर इंदौर का होना बताया गया। उक्त सभी मशीनों के द्वारा खनिज मिट्टी का उत्खनन बिना वैधानिक अनुमति के किया जाना पाया गया।

नईखेरी-चिंतामन गणेश को जोड़ने रेलवे लाइन से आवागमन होगा सुनिश्चित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेल मंत्रालय द्वारा उज्जैन बायपास लाइन को स्वीकृति प्रदान करने के लिए रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव का आभार माना है। कुल 8.60 किमी की नईखेड़ी-चिंतामन गणेश रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली इस लाइन के प्रारंभ होने से उज्जैन के समीप वैकल्पिक रेल मार्ग उपलब्ध होगा। इससे उज्जैन से ट्रेनों को वापस मोड़ने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी और ट्रेनों में विलंब नहीं होगा। यह व्यवस्था 'सिंहस्थ-2028' के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाएगी।

72 साल पहले एक करोड़ में बना शास्त्री ब्रिज टूटेगा, 150 करोड़ की लागत से बनेगा नया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● 72 साल पुराना शास्त्री ब्रिज तोड़ा जाएगा। रेलवे 150 करोड़ की लागत से नया ब्रिज बनाएगा। ब्रिज की हाइट बढ़ाने और वैकल्पिक रास्ते की तैयारी हो रही है। मध्य प्रदेश के इंदौर में साल 1953 में बना शास्त्री ब्रिज को तोड़ने की तैयारी हो रही है। इसके लिए शुक्रवार को नगर निगम और रेलवे के अधिकारियों ने ब्रिज का दौरा किया। नया ब्रिज रेलवे द्वारा 150 करोड़ की लागत से बनाया जाएगा। जब 72 साल पहले यह ब्रिज बना था तब इसकी लागत एक करोड़ रुपए थी।

ब्रिज को लेकर यह तैयारी

नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर ने बताया कि रेलवे स्टेशन का विस्तार हो रहा है। इसके चलते नए ब्रिज की हाइट और लंबाई बढ़ाने की जरूरत है। इसके लिए रेलवे के अधिकारी निगमायुक्त से मिले थे और इसके बाद यह संयुक्त दौरा हो रहा है। इसमें देखा जाएगा कि यहां जो पानी और ड्रेनेज की लाइन है वह कैसे शिफ्ट होगी और कितना खर्चा आएगा। यह ब्रिज रेलवे बनाएगा जिसकी लागत 150 करोड़ आएगी। वहीं रेलवे के डिप्टी चीफ इंजीनियर अंकुर सिंह ने कहा है कि ब्रिज की हाइट बढ़ाना जरूरी है। इसके लिए तैयारी हो रही है। दौरा करने में अपर आयुक्त निगम श्रृंगार श्रीवास्तव, मेट्रो के अधिकारी भी थे।

ब्रिज कब टूटेगा, नया रास्ता क्या होगा

यह ब्रिज 12 जनवरी 1953 को शुरू हुआ था और तब तत्कालीन परिवहन मंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने इसका उद्घाटन किया था। यह ब्रिज इतने सालों से इंदौर पूर्व और पश्चिम को जोड़ने के लिए रीढ़ की हड्डी साबित हुआ है। इस ब्रिज के टूटने से आवागमन में भारी समस्या आएगी। इसके लिए पहले इसकी प्लानिंग जरूरी है कि वैकल्पिक रास्ता क्या होगा। पूर्व स्पीकर सुमित्रा महाजन ने सुझाव दिया है कि पहले कम से कम एक लेन जल्द बनकर तैयार की जाए और फिर अन्य लेन बनाई जाए, जिससे परिवहन सुगम हो सके।

मध्य भारत का पहला रेलवे ओवरब्रिज था

जब यह ब्रिज शुरू हुआ था तब यह मध्य भारत का पहला टू-टू लेन रेलवे ओवरब्रिज था। इसे भविष्य के 100 साल की प्लानिंग के हिसाब से तैयार किया गया था। हाल ही में ब्रिज (शास्त्री ब्रिज ही कुतर दिया) में चूहों के कुतरने से बड़ा गड्ढा हो गया था। लंबे समय से इसकी मरम्मत की जरूरत बताई जा रही थी। अब रेलवे का प्रोजेक्ट तैयार है तो इस पर काम किया जा रहा है।

आजीवन सहयोग निधि : वर्मा और हार्डिया ने दिया एक-एक महीने का वेतन दिया

वार्ड पार्षदों को एक-एक लाख रुपए का दिया टारगेट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भाजपा ने बड़े नेताओं के यहां जाकर आजीवन सहयोग निधि की राशि लेने का अभियान शुरू किया है। इसके तहत सभी जनप्रतिनिधि और बड़े नेता उनके सामर्थ्य के अनुसार राशि जुटाएंगे तो विधायकों ने एक-एक महीने का वेतन देने की स्वीकृति दी है। भाजपा की नगर इकाई द्वारा जनप्रतिनिधियों के घर दस्तक दी। सुमित्रा महाजन और कृष्णमुरारी मोघे, मंत्री विजयवर्गीय के बाहर होने के कारण उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। विधायक वर्मा और हार्डिया ने जरूर अपनी राशि संगठन को सौंपी। भाजपा साल में एक बार पार्टी की गतिविधियों के संचालन के लिए फंड जुटाती है और फिर बाद में यह फंड प्रदेश कार्यालय को भेजा जाता है और वहां से संबंधित जिले को 50 प्रतिशत राशि मिलती है। इंदौर में फंड जुटाने का रिकार्ड 8 करोड़ रुपए का है और इस बार पार्टी चाह रही कि इस राशि से ज्यादा राशि जुटाई जाए।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन, पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे के शहर में बाहर होने के कारण उनसे संपर्क नहीं हो पाया। बाकी दूसरे विधायक और बड़े नेताओं के यहां नगर इकाई आज जाएगी। पार्षदों को एक वार्ड से एक-एक लाख रुपए इकट्ठा करने के लिए कहा गया है। पार्षद अपनी राशि अपने मंडल और विधानसभा स्तर पर जमा करवाएंगे, ताकि पता चल सके कि किस विधानसभा और मंडल से टारगेट पूरा किया गया है। सोडानी डायनोस्टिक की ओर से विधायक महेन्द्र हार्डिया और पार्षद नंदकिशोर पहाड़िया को एक लाख रुपए का चैक सौंपा गया। यह अभियान 28 फरवरी तक चलाया जाएगा, जिसमें 8 करोड़ रुपए से ऊपर राशि एकत्रित किए जाने का लक्ष्य रखा गया है।

राशि लेने घर-घर पहुंचे

प्रदेश संगठन ने स्थानीय संगठन को किसी प्रकार का टारगेट नहीं दिया है, लेकिन स्थानीय संगठन मंडल और विधानसभा स्तर पर टारगेट देकर ज्यादा से ज्यादा राशि इकट्ठा करना चाहता है। पहले दिन सभी विधायकों ने एक-एक लाख रुपए का चैक अपनी विधानसभा से दिया था। अब उसके बाद कल से भाजपा की नगर इकाई द्वारा बड़े नेताओं के घर दस्तक देना शुरू कर दिया है। कल नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, प्रभारी एवं विधायक गोलू शुक्ला, सहप्रभारी हरप्रीतसिंह बक्षी, मुकेश मंगल, रानू अग्रवाल विधायक मधु वर्मा के यहां पहुंचे। मंडल अध्यक्षों को भी साथ में रखा गया है। इसके बाद विधायक महेन्द्र हार्डिया के घर नगर इकाई पहुंची। दोनों विधायकों ने अपनी एक-एक महीने की सैलरी पार्टी फंड में सौंपी हैं।

वाट्सअप ग्रुप में भेजा अश्लील वीडियो नग्न हालत में मिला लड़की का शव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के इंदौर में शुक्रवार को एक 24 वर्षीय एमबीए छात्रा का नग्न, सड़ा हुआ शव उसके सहपाठी के किराए के मकान में मिला। उसके गले पर रस्सी के निशान थे, जिससे पता चलता है कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई थी। हत्या के समय के आसपास, छात्रा के फोन से कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में एक सेक्सुअल वीडियो पोस्ट किया गया था, जिसमें उसका चेहरा तो दिख रहा था, लेकिन दूसरे व्यक्ति का चेहरा इमोजी से ढका हुआ था। अधिकारियों को संदेह है कि वीडियो में दिख रहा दूसरा व्यक्ति वही सहपाठी है जिसके घर में शव मिला था और जो उसका कथित प्रेमी भी था।

दोस्त की बर्थडे पार्टी में गई थी लड़की-मंगलवार को, सांवेर रोड स्थित एक संस्थान में एमबीए प्रथम वर्ष की छात्रा अपने पिता के साथ अपना जन्म प्रमाण पत्र ठीक करवाने गई थी। उसी शाम, उसने अपने परिवार को बताया कि वह अपने सहपाठी पीयूष धनोतिया के साथ जन्मदिन की पार्टी में जा रही है और रात 11 बजे तक लौट आएगी। पर वह कभी वापस नहीं लौटी। उसी रात, आपत्तिजनक वीडियो कॉलेज के व्हाट्सएप ग्रुप में पोस्ट किया गया था। कॉलेज प्रबंधन ने वीडियो हटा दिया और अगले दिन, बुधवार को उसके पिता से संपर्क किया। उन्होंने उन्हें वीडियो के बारे में सूचित किया और साथ ही यह भी बताया कि उनकी बेटी और धनोतिया के फोन बंद थे। परिवार ने कई पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराई और आखिरकार बुधवार देर रात पंढरीनाथ थाने में गुमशुदा व्यक्ति की शिकायत दर्ज कराई गई। परिवार का आरोप है कि बार-बार गुहार लगाने के बावजूद, उसे ढूंढने में कोई तत्परता नहीं दिखाई गई। उन्होंने बताया कि एक पुलिसकर्मी द्वारिकापुरी इलाके के अंकल गली स्थित धनोतिया के घर गया, लेकिन उसने बाहर से ताला लगा दिया और यह कहकर चला गया कि अगर कोई आया तो मकान मालिक को सूचित कर दिया जाएगा। शुक्रवार को अंकल गली के कई निवासियों ने धनोतिया के घर से आ रही दुर्गंध की शिकायत की। पुलिस वहां पहुंची, दरवाजा तोड़ा और अंदर छात्रा का नग्न शव मिला।

इंदौर ईडी की शाहरा के रूचि ग्रुप पर बड़ी कार्रवाई, 10.15 करोड़ की प्रापर्टी अटैच

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर ईडी ने शाहरा परिवार के रुचि ग्रुप को जोर का झटका दिया है। ईडी ने द मेसर्स रुचि एक्रोनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (नया नाम मेसर्स स्टीलटेक रिसोर्सेज लिमिटेड) की 10.15 करोड़ की प्रापर्टी अटैच की है। मामला दिवंगत कैलाश चंद शाहरा और उनके पुत्र उमेश शाहरा के ग्रुप द्वारा 58 करोड़ के बैंक लोन धोखाधड़ी का है। ईडी इंदौर ने सीबीआई में दर्ज एफआईआर के आधार पर यह केस मनी लॉण्ड्रिंग एक्ट में दर्ज किया था। जांच के बाद ईडी ने कंपनी की 10 करोड़ 15 लाख कीमत की जमीन को अटैच किया है। इसके पहले ईडी ने दिसंबर 2025 में कंपनी के डायरेक्टर उमेश शाहरा व अन्य के घर, दफ्तर पर छापे मारे थे।

58 करोड़ का लोन घोटाला-सीबीआई भोपाल ने मेसर्स रुचि एक्रोनी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (अब मेसर्स स्टीलटेक रिसोर्सेज लिमिटेड के नाम से जानी जाती है) के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(डी) और आईपीसी धारा 120-बी के साथ धारा 420 में केस किया था। ईडी ने इसे पीएमएलए के तहत इसे लिया और जांच की। कंपनी पर यूको बैंक, इंदौर को कथित तौर पर धोखा देने और 58 करोड़ रुपए से अधिक की लोन राशि का नुकसान पहुंचाने का आरोप है। कंपनी ने बेईमानी से अपने समूह की कंपनियों में निवेश बताकर व कंपनियों को राशि देना बताकर यह गबन किया। सीबीआई ने उमेश शाहरा, साकेत भदौरिया और आशुतोष मिश्रा को आरोपित बनाया था।

इस तरह लोन की हेराफेरी हुई-ईडी की जांच से पता चला कि जाली, मनगढ़ंत दस्तावेजों के आधार पर, बिना किसी वास्तविक लेन-देन के, बेईमानी से ऋण सुविधाएं और साख पत्र बैंक से प्राप्त किए गए थे। इनसे प्राप्त धनराशि को जानबूझकर एक ही स्वामित्व और नियंत्रण वाली परस्पर जुड़ी विविध कंपनियों के नेटवर्क में पहुंचाया गया। फिर इस राशि को निकाल लिया गया। इसक उपयोग अन्य काम में और संपत्तियां बनाने में किया गया।

ईडी ने मारे थे छापे-ईडी ने इसी मामले में 23 दिसंबर को इंदौर और मुंबई में छापेमारी की थी। यह कार्रवाई पीएमएलए, 2002 के तहत की गई। ईडी के अनुसार, कंपनियों के प्रमोटर स्वर्गीय कैलाश चंद्र शाहरा और उमेश शाहरा पर बैंकों से लिए कर्ज की रकम डायवर्ट करने और शेल कंपनियों के जरिए सायफन करने का आरोप है। फर्जी लेटर ऑफ क्रेडिट, कैश क्रेडिट ट्रांजैक्शन और नकली बिक्री-खरीद के जरिए लोन का निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया। छापेमारी में आरोपियों और परिजनों के 20 लाख से अधिक बैंक बैलेंस फ्रीज किए गए, 23 लाख रुपए से अधिक नकदी जब्त हुई थी।

शहर में अवैध रूप से संचालित हॉस्टलों पर निगम की सख्ती

महापौर के कड़े संदेश के बाद निपानिया में पहली कार्रवाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में अवैध रूप से संचालित और निर्माणाधीन हॉस्टलों के खिलाफ नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। वार्ड 74 में आयोजित संकल्प से समाधान अभियान की जनता चौपाल के दौरान महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस मुद्दे पर स्पष्ट चेतावनी दी थी, जिसके बाद निगम अमला सक्रिय हो गया है।

चौपाल में महापौर ने कहा कि जो लोग बिना अनुमति के कहीं भी हॉस्टल बनाकर मनमानी करना चाहते हैं, वे यह विचार त्याग दें। यदि कोई अवैध हॉस्टल निर्माण करता पाया गया तो निगम तत्काल उसे ध्वस्त कर देगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन क्षेत्रों में पहले से हॉस्टल संचालित हैं, वहां स्वच्छता और यातायात व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित संचालकों की होगी। गली में कचरा मिलने या गलत पार्किंग की शिकायत पर सीधे हॉस्टल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नागरिकों की शिकायतों पर निर्णय-जनता चौपाल में बड़ी संख्या में रहवासियों ने शिकायत की कि कई स्थानों पर बिना वैध अनुमति के हॉस्टल बनाए जा रहे हैं। इससे ट्रैफिक जाम, पार्किंग अव्यवस्था और स्थानीय निवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर ने अवैध निर्माण पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

निपानिया में अवैध हॉस्टल ध्वस्त-घोषणा के तुरंत बाद नगर निगम की टीम ने निपानिया क्षेत्र में एक अवैध निर्माणाधीन हॉस्टल को तोड़ने की कार्रवाई की। अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और बिना अनुमति निर्माण करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि शहर में नियमों के विरुद्ध कोई भी निर्माण या संचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

फर्जी आईएएस मंत्रालय में घुसा : डिप्टी सेक्रेटरी कटेसरिया की सजगता से पकड़ा गया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● भोपाल के वल्लभ भवन में एक फर्जी आईएएस अधिकारी के घुसने से हड़कंप मच गया। इससे सुरक्षा व्यवस्था और पास बनाने की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। राजधानी भोपाल के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले मंत्रालय वल्लभ भवन में एक फर्जी आईएएस अधिकारी के पहुंचने से हड़कंप मच गया। खुद को 2019 बैच का आईएएस बताने वाला युवक सामान्य प्रशासन विभाग तक पहुंच गया और डिप्टी सेक्रेटरी अजय कटेसरिया से मुलाकात भी कर ली। डिप्टी सेक्रेटरी कटेसरिया को जब शक हुआ तो उन्होंने उससे पूछताछ की और तथाकथित आईएएस योगेंद्र सिंह चौहान के फर्जीवाड़े का खुलासा करते हुए वल्लभ भवन की सिक्योरिटी को सौंप दिया। चौंकाने वाली बात यह है कि उसे मंत्रालय का प्रवेश पास भी आसानी से बनाकर दे दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने मंत्रालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। योगेंद्र सिंह चौहान खुद को आईएएस बताते हुए वल्लभ भवन पहुंचा। उसने कहा कि उसे ट्रांसफर संबंधी कार्य के लिए सामान्य प्रशासन विभाग में आना है। सबसे हैरानी की बात यह रही कि मंत्रालय के पास सेक्शन में उसका प्रवेश कार्ड कंप्यूटर से बन गया। पास पर साफ लिखा था कि उसे जीएडी में अजय कटेसरिया (डिप्टी सेक्रेटरी) से मिलना है। यानी बिना ठोस सत्यापन के उसे मंत्रालय परिसर में एंट्री दे दी गई।

तीन घंटे इंतजार, फिर पहुंचा तीसरी मंजिल-चौहान ने बताया कि उसे करीब तीन घंटे इंतजार करना पड़ा। इसके बाद वह मंत्रालय की तीसरी मंजिल पर जीएडी कार्यालय तक पहुंच गया। उसने दावा किया कि वह पहले भी यूपीएससी की परीक्षा दो बार क्लियर कर चुका है। साथ ही कहा कि उसका सर्विस आईडी नंबर भी है। हालांकि, जब उससे नंबर पूछा गया तो वह स्पष्ट जवाब नहीं दे सका।

फर्जी IAS को किया सुरक्षा अधिकारियों के हवाले-सामान्य प्रशासन विभाग के डिप्टी सेक्रेटरी अजय कटसेरिया ने जब तथाकथित आईएएस योगेंद्र चौहान से उसका बैच नंबर पूछा और उसे आने का पर्पस पूछा तो उसने बताया कि मैं ट्रांसफर के लिए आया हूं, बस यहीं से उन्हें शक हो गया। उन्होंने सिक्योरिटी ऑफिसर के यहां से स्टाफ को बुलाकर उसके हवाले कर दिया। पड़ताल करने के दौरान 2019 बैच की यूपीएससी सूची दिखाई गई, लेकिन उसमें उसका नाम नहीं था।

पहले भी पकड़े जा चुके हैं फर्जी अफसर

देश के कई राज्यों में पहले भी फर्जी आईएएस और आईपीएस पकड़े जा चुके हैं। कुछ मामलों में आरोपियों ने खुद को जिला कलेक्टर बताकर सरकारी बैठकों में हिस्सा लिया। कहीं फर्जी अफसर बनकर निरीक्षण किए गए, तो कहीं ट्रांसफर-पोस्टिंग के नाम पर ठगी की गई। ऐसे मामलों में आमतौर पर सुरक्षा जांच या दस्तावेज मिलान में गड़बड़ी सामने आती है।

अब क्या होगी कार्रवाई?

फिलहाल योगेंद्र सिंह चौहान से सुरक्षा कार्यालय में पूछताछ की जा रही है। मंत्रालय स्तर पर उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने की तैयारी है। संभावना है कि पुलिस में मामला दर्ज कर आगे की जांच कराई जाए। फर्जी आईएएस का मंत्रालय तक पहुंच जाना सिर्फ एक व्यक्ति की हरकत नहीं, बल्कि सुरक्षा तंत्र की बड़ी चूक है। अब देखना होगा कि इस घटना के बाद मंत्रालय की एंट्री प्रक्रिया और पहचान सत्यापन व्यवस्था में क्या बदलाव किए जाते हैं। क्योंकि सवाल सिर्फ एक फर्जी अफसर का नहीं, बल्कि शासन की सुरक्षा और विश्वसनीयता का है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : अक्षय तिवारी द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।